भारत सरकार

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

राजभाषा प्रकोष्ठ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा विश्वविद्यालय का

राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम

२८ मार्च, २०२५, शुक्रवार

में

हार्दिक अभिनंदन करता है

राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

राजभाषा अधिकारी (प्र.) एवं संयुक्त कुलसचिव
श्री संतोष सोहगौरा

हिन्दी अनुवादक
श्री अभिषेक सक्सेना

उच्च श्रेणी लिपिक
श्री विनोद रजक

संपर्क

दूरभाष क्र.: (07582)297118
ई मेल : rajbhasha@dhsgsu.edu.in

वेबसाइटः www.dhsgsu.edu.in

राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम 2024-25

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए
वार्षिक कार्यक्रम
2024-25

ANNUAL PROGRAMME
FOR TRANSACTING THE OFFICIAL WORK OF THE UNION IN HINDI
2024-25

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

राजभाषा विभाग

DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE
www.rajbhasha.gov.in

माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार का राजभाषा संदेश

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

प्रिय देशवासियो!

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस वर्ष का हिंदी दिवस समारोह विशेष है, क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि राजभाषा विभाग द्वारा इसे 'राजभाषा हीरक जयंती' के रूप में मनाया जा रहा है।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पुरातन सभ्यता और भाषिक विविधता के लिए दुनिया में विशिष्ट स्थान रखता है। क्षेत्रीय भाषाओं ने हमारी अतुलनीय सांस्कृतिक विविधता को आगे बढ़ाने और देशवासियों को भारतीयता के अटूट सूत्र में पिरोने का काम किया है। अतः हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को भारतीय अस्मिता का प्रतीक कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर विशेष बल दिया गया था। हिंदी ने तब से लेकर आज तक, देश की विविधता में एकता स्थापित करने और सामूहिक सद्भावना को सुदृढ़ करने का महती कार्य किया है। हिंदी की इसी शक्ति के कारण उन दिनों हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने वालों में लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, राजगोपालाचारी एवं अन्य गैर-हिंदीभाषी महानुभावों की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। आजादी के बाद हिंदी की इसी सर्वसमावेशी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रमुख भारतीय भाषाओं को स्थान दिया।

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसमें आपको देश की कई भाषाओं के तत्व मिल जाएँगे। इसका इतिहास लिखने वालों ने तो रासो ग्रंथों, सिद्धों-नाथों की वाणियों से लेकर भक्तिकाल के संत कवियों और खड़ी बोली तक इसकी परम्परा को माना है। कवि चंदबरदाई से लेकर महाकवि विद्यापति, ज्योतिरीश्वर ठाकुर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, आंडाल, गुरू नानकदेव जी, संत रैदास, कबीरदास जी से लेकर आज तक कई साहित्यकारों व भाषाविदों ने भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी का मार्ग प्रशस्त किया। इसके विकास में उन असंख्य लोकभाषाकारों का भी अमूल्य योगदान है, जो गायन-वादन के द्वारा इस भाषा के आदिरूपों को जन-जन तक पहुँचाते रहे। हिंदी भाषा मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज, हरियाणवी, राजस्थानी, मेवाती, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, बघेली, कुँमाउनी, गढ़वाली जैसी मातृभाषाओं के समन्वित रूप से ही तो बनी है। मुझे खुशी है कि हिंदी भाषा इन मातृभाषाओं को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़ रही है और लगातार विकसित हो रही है। आज जब राजभाषा के रूप में हिंदी अपनी 75वीं वर्षगाँठ पूरी कर रही है, तब हमें इसका यह इतिहास जरूर याद रखना चाहिए।

14 सितंबर, 1949 से लेकर लगातार राजभाषा के रूप में हिंदी के संवर्धन के अनेक काम हुए हैं। राजभाषा विभाग की विशाल यात्रा को पीछे मुड़ कर देखें, तो हमें कई महत्वपूर्ण पड़ाव दिखाई देते हैं, जहाँ इस विभाग ने जिम्मेदारीपूर्वक सरकारी तंत्र को भाषिक चेतना के प्रति प्रेरित किया है।

साल 1977 में श्रद्धेय **अटल बिहरी वाजपेयी जी** ने तत्कालीन विदेश मंत्री के रूप में पहली बार संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिंदी में संबोधित कर राजभाषा का मान बढ़ाया। माननीय **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी भाषा में संबोधन देते हैं और भारतीय भाषाओं के उद्धरण देते हैं, तो समूचे देश में अपनी भाषा के प्रति गौरव के भाव को और बल मिलता है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने राजभाषा को और भी समृद्ध व सक्षम बनाने के हर संभव कार्य किए हैं। 2018 में अनुवाद दूल कंठस्थ का लोकार्पण हो, 2020 में भारत की नई शिक्षा नीति में मातृभाषाओं को विशेष महत्व देने की अनुशंसा हो, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आधिकारिक भाषाओं की सूची में कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल करने के लिए विधेयक पारित करना हो, 2022 में हिंदी दिवस पर कंठस्थ 2.0 का लोकार्पण हो या साल 2021 से हर साल हिंदी दिवस पर 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित करना हो, सरकार राजभाषा व भारतीय भाषाओं के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, संसदीय राजभाषा समिति ने अपने प्रतिवेदन का 12वाँ खंड भी माननीय राष्ट्रपति महोदया को सौंप दिया है।

राजभाषा में कार्यों को प्रोत्साहन देने हेतु हमने साल 2022 से संशोधित राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना भी शुरू की है जिसके तहत ज्ञान-विज्ञान, अपराध शास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर एवं विधि के क्षेत्र में राजभाषा में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु पुरस्कार दिए जाते हैं। साथ ही, राजभाषा विभाग ने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' का निर्माण भी किया है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से जन-जन तक संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित की जाए। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम व्यापक रूप से सरल और सहज भाषा का प्रयोग करके राजभाषा और जनभाषा के बीच की दूरी को पाटें, ताकि देश के हर वर्ग का नागरिक देश की प्रगति से परिचित भी हो और लाभान्वित भी। इस तरह 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी भारतीय भाषाओं की सशक्त भूमिका रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि हिंदी दिवस एवं राजभाषा हीरक जयंती समारोह, मातृभाषाओं के प्रति राजभाषा विभाग की प्रतिबद्धता को और भी ऊँचाई देने का सार्थक माध्यम बनेगा। मैं राजभाषा विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

वंदे मातरम!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2024

(अमित शाह)

विश्वविद्यालय के 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी-वृन्द हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त करने पर भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना।

(भारत के राजपत्र के भाग-2, खण्ड-3, उपखण्ड-2 में प्रकाशनार्थ)

सं.11011-1/2011-रा.भा.ए.
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
राजभाषा यूनिट

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक 10 जुलाई, 2012

अधिसूचना

का.आ0.....केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम 4 के अनुसरण में, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) के अंतर्गत, निम्नलिखित विश्वविद्यालयों/संस्थानों को ऐसे कार्यालयों के रूप में, जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी-वृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :

1. डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
2. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
3. विश्वेश्वरय्या राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर

(अनन्त कुमार सिंह)
संयुक्त सचिव, भारत सरकार

हिन्दी में मूल पत्राचार

'क' क्षेत्र में हिन्दी एवं अंग्रेजी पत्राचार का प्रतिशत

क्षेत्र	क्षेत्र में शामिल राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
'क'	बिहार, छत्तीसगढ, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र।

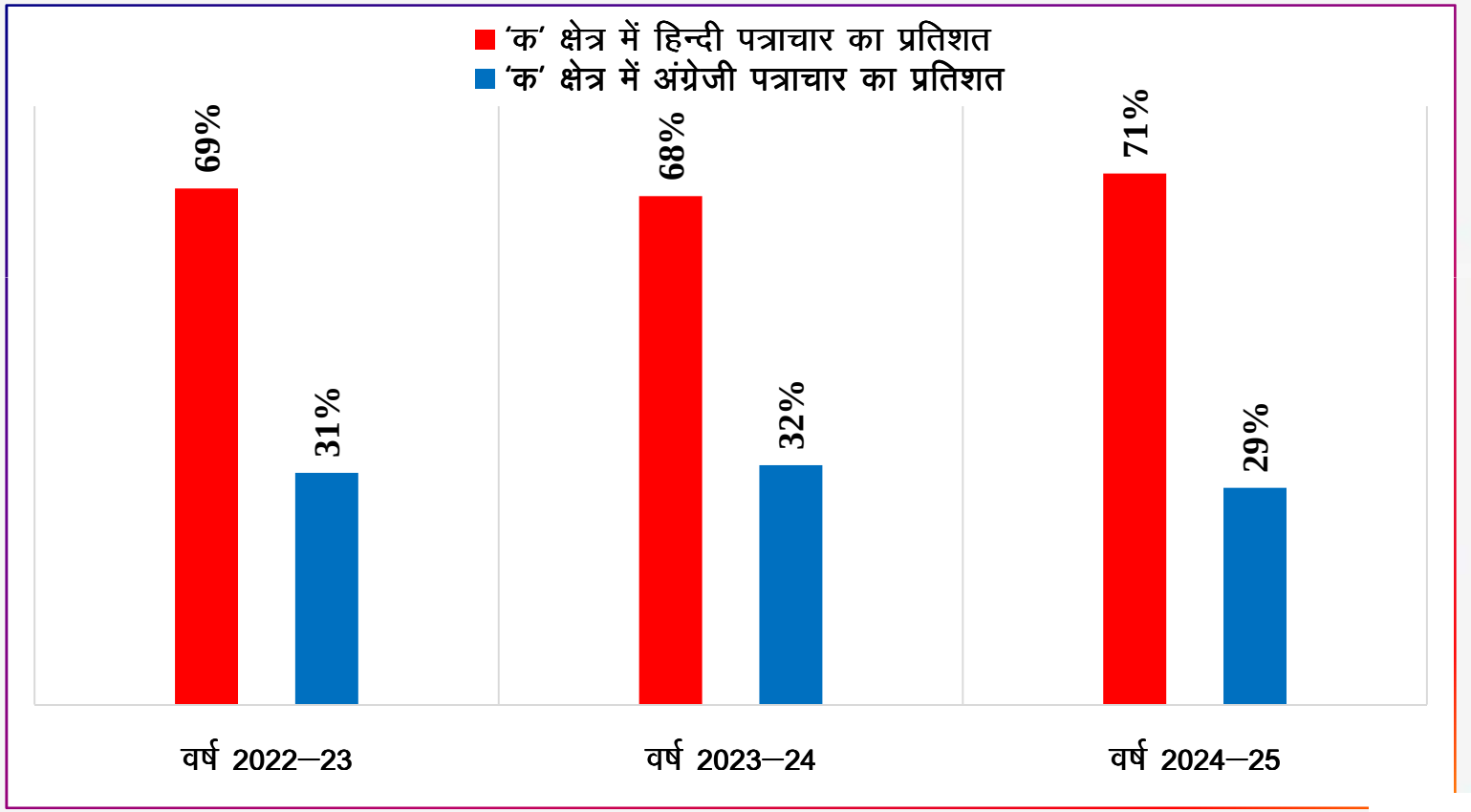

'ख' क्षेत्र में हिन्दी एवं अंग्रेजी पत्राचार का प्रतिशत

'ख'	गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन व दीव और दादरा व नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

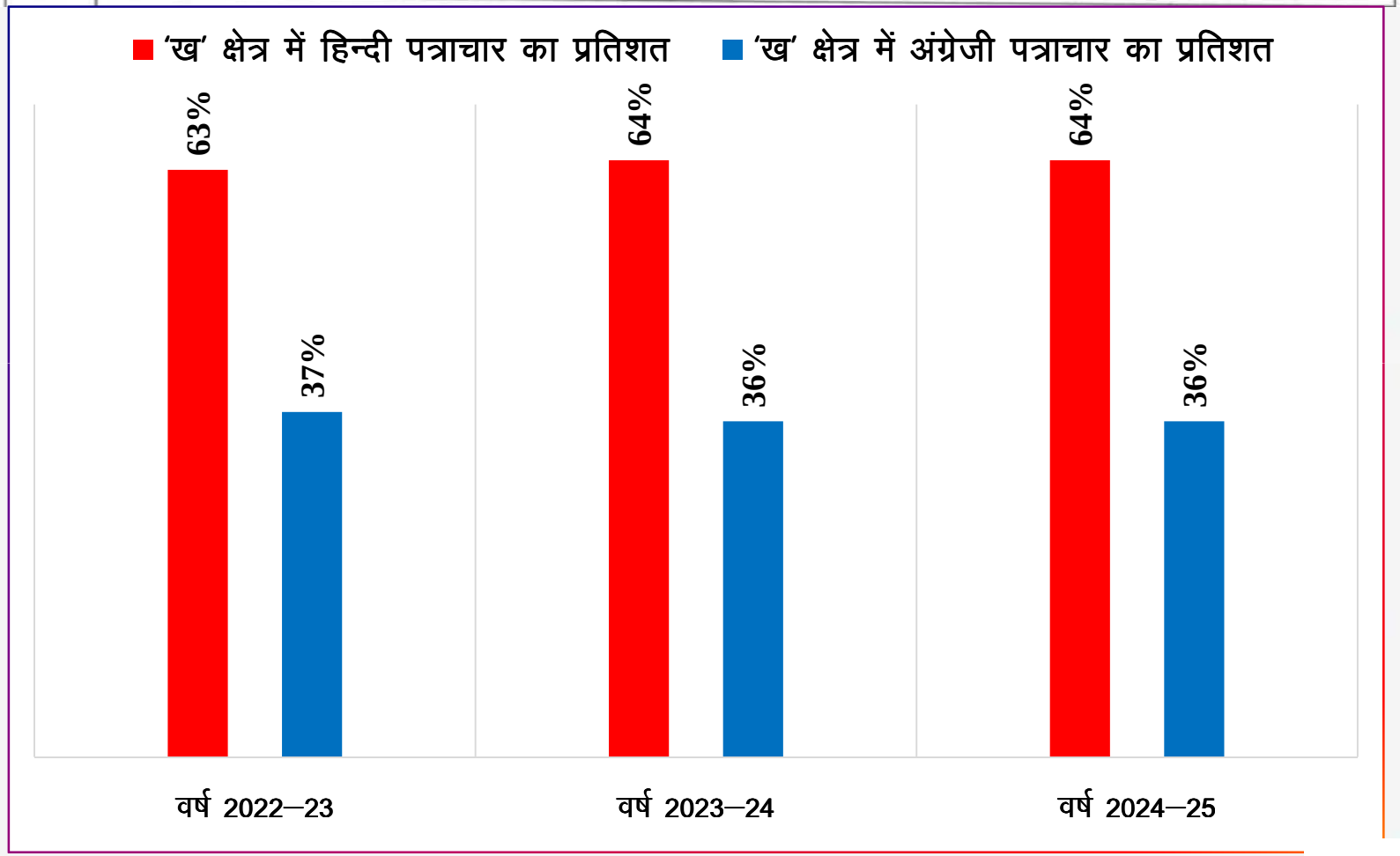

‘ग’ क्षेत्र में हिन्दी एवं अंग्रेजी पत्राचार का प्रतिशत

‘ग’	‘क’ और ‘ख’ क्षेत्र में शामिल नहीं किए गए अन्य सभी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र ।

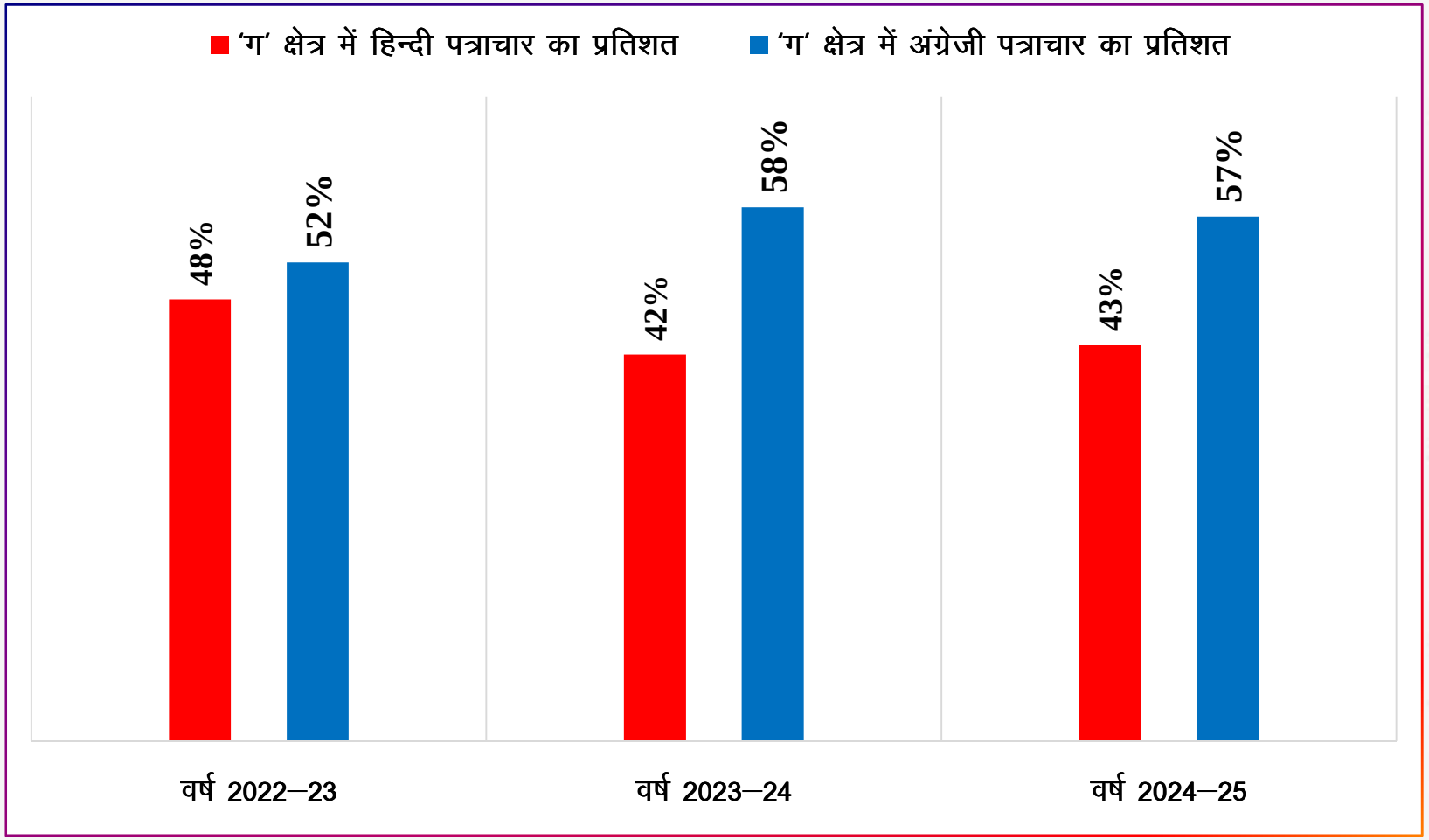

हिन्दी में टिप्पण लेखन (Noting)

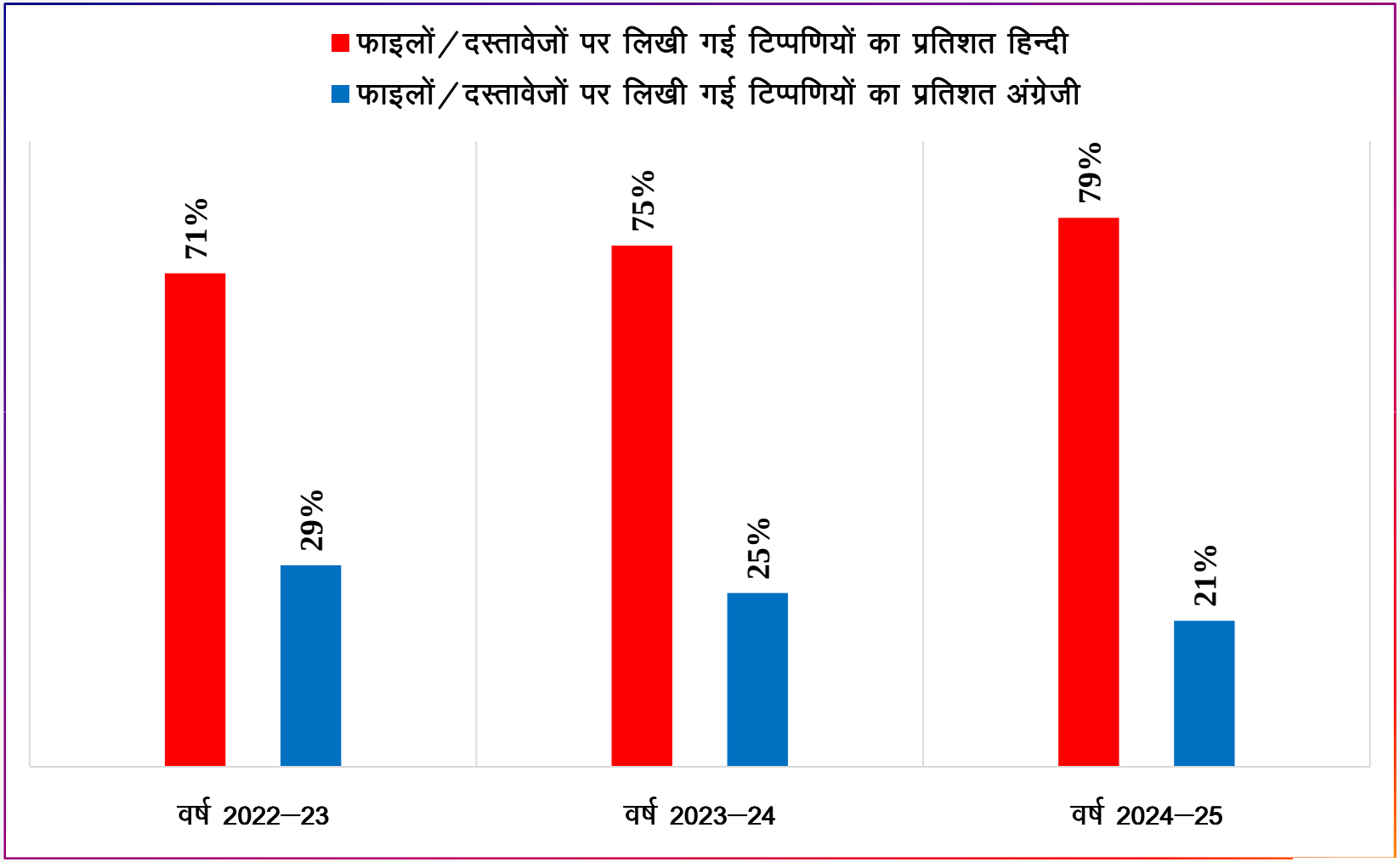

हिन्दी पुस्तकों पर व्यय
(केन्द्रीय पुस्तकालय)

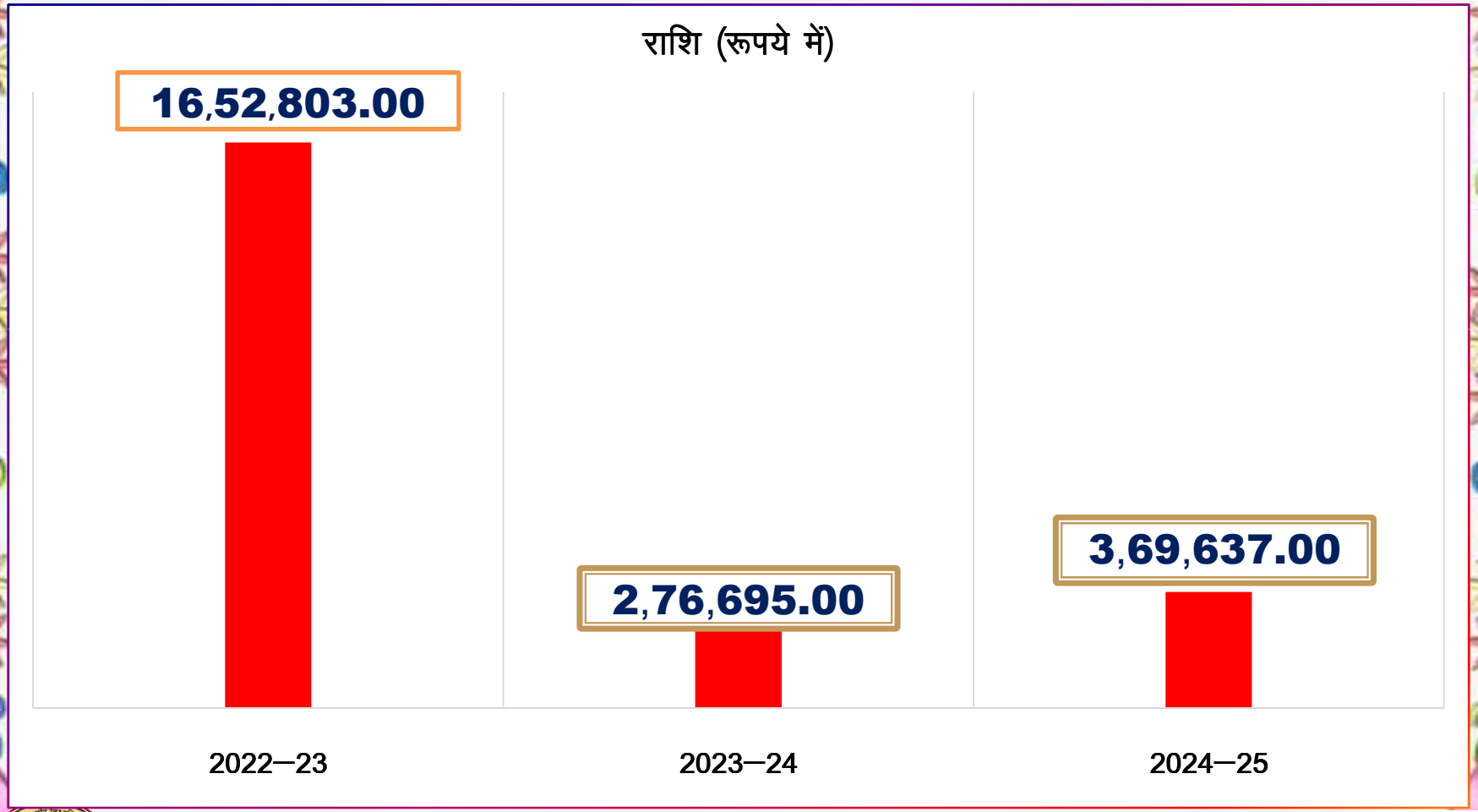

विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट

www.dhsgsu.edu.in

हिन्दी मुख्य पृष्ठ

विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट

www.dhsgsu.edu.in

अंग्रेजी मुख्यपृष्ठ

राजभाषा

विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभागों/कार्यालयों का आंतरिक राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम

राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा निरीक्षण किये गये अनुभागों/कार्यालयों की सूची

(15 मार्च, 2025 तक)

क्र.	अनुभाग/कार्यालय का नाम	निरीक्षण की तिथि
1.	छात्रवृत्ति शाखा	26.06.2023
2.	अधिष्ठाता संकाय गतिविधियाँ	12.10.2023
3.	निदेशक, शोध एवं विकास शाखा	12.10.2023
4.	जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय	13.10.2023
5.	लेखापरीक्षा अनुभाग	24.07.2024
6.	क्रय एवं भण्डार अनुभाग	24.07.2024
7.	अधिष्ठाता छात्र गतिविधियाँ	07.08.2024
8.	दूरस्थ शिक्षा संस्थान	07.08.2024
9.	संपदा कार्यालय	24.10.2024
10.	आंतरिक निर्माण विभाग	24.10.2024
11.	सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	13.02.2025
12.	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र	07.03.2025

विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभागों/कार्यालयों का आंतरिक राजभाषा निरीक्षण के छायाचित्र

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा (3)3 के अंतर्गत अनिवार्य रुप से द्विभाषी जारी किए जाने वाले कागज़ात

1	सामान्य आदेश	General Orders
2	संकल्प	Resolution
3	परिपत्र	Circulars
4	नियम	Rules
5	प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन	Administrative or other reports
6	प्रेस विज्ञप्तियाँ	Press Release/Communiques
7	संविदाएँ	Contracts
8	करार	Agreements
9	अनुज्ञप्तियाँ	Licences
10	निविदा प्रारुप	Tender Forms
11	अनुज्ञा पत्र	Permits
12	निविदा सूचनाएँ	Tender Notices
13	अधिसूचनाएँ	Notifications
14	संसद के समक्ष् रखे जाने वाले प्रतिवेदन तथा कागज़ पत्र	Reports and documents to be laid before the Parliament

केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा
पत्राचार माध्यम से विश्वविद्यालयीन कर्मचारियों का हिन्दी टंकण प्रशिक्षण

संख्या-19016/19/2014 केहिप्रसं./हिटपपा/ 7373

भारत सरकार
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान
हिंदी शब्द संसाधन/टंकण पत्राचार पाठ्यक्रम स्कंध

35

2-ए, पृथ्वीराज रोड,
नई दिल्ली.110011

दिनांक: 23 SEP 2014

सेवा में

35. पं0 सं0 170-181
हिंदी अधिकारी,
डॉ0 हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
सागर (म0प्र0)470003

विषय:- हिंदी शब्द संसाधन/टंकण पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा जनवरी, 2014 के उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों के प्रमाण-पत्रों का प्रेषण ।

महोदय,

हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत जनवरी, 2014 में आयोजित हिंदी शब्द संसाधन/टंकण परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले आपके कार्मिकों के प्रमाण–पत्र संलग्न हैं । कृपया प्रमाण-पत्र संबंधित कार्मिकों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने का कष्ट करें । यदि संभव हो तो प्रमाण-पत्र अपने कार्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े या अन्य किसी समारोह में वितरित किए जाएं ताकि कर्मचारियों में हिंदी टंकण प्रशिक्षण के प्रति अभिरुचि में वृद्धि हो सके । प्रशिक्षार्थियों को परीक्षा उत्तीर्ण करने पर मिलने वाले वित्तीय प्रोत्साहन जैसे वैयक्तिक वेतन, एकमुश्त पुरस्कार, नकद पुरस्कार आदि भी तुरंत प्रदान कर दिए जाएं तो इससे भी अन्य कर्मचारियों को प्रेरणा और प्रोत्साहन मिलेगा ।

अत: आपसे अनुरोध है कि प्रशिक्षण कार्य को यथाशीघ्र पूरा करने के लिए ऐसे सभी प्रेरणा-प्रद कदम उठाए जाएं जिससे प्रशिक्षण के साथ-साथ राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए भी सकारात्मक भावना का विकास हो सके ।

उपरोक्त भेजे गए प्रमाण पत्रों में यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो उस प्रमाण पत्रों को शुद्धिकरण हेतु इस कार्यालय को अविलंब भेजें ।

कृपया पावती भेजने का कष्ट करें।(Please send acknowledgement)

संलग्नक : अनुक्रमांक 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 870, 871 ।

कुल 11 प्रमाण पत्र ।

भवदीय,

(पृथ्वीराज जायसवाल)
सहायक निदेशक

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
गृह मंत्रालय
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
राजभाषा विभाग
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE
हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा-स्कंध)
HINDI TEACHING SCHEME (EXAM. WING)
नई दिल्ली /NEW DELHI

ग 2008-0015364

अनुक्रमांक Roll No. 861

हिंदी टाइपलेखन परीक्षा, Hindi Typewriting Examination

जनवरी, 2014 January, 2014

प्रमाण-पत्र /CERTIFICATE

श्री/कुमारी/श्रीमती *Shri/Kum./Smt.* शेख बाबु

सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी श्री *Son/Daughter/Wife of Shri* शेख कासिम

कार्यालय/मंत्रालय *Office/Ministry* जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय, डॉ.हरि सिंग गौर विश्वविद्यालय,सागर(म.प्र.)

यह प्रमाण–पत्र उपर्युक्त परीक्षार्थी को **कम्प्यूटर** पर हिंदी टाइपलेखन परीक्षा उत्तीर्ण करने पर प्रदान किया जाता है।

*This Certificate is awarded to the above candidate for having passed the **Hindi Typewriting Examination** on Computer.*

अंक-सूची / MARK SHEET

प्रश्न-पत्र Question Paper	प्रथम I	द्वितीय II	कुल योग Total	श्रेणी Division	टाइपलेखन गति Typing Speed
पूर्णांक Max. Marks	50	50	100		
प्राप्तांक Marks Obtained	38	50	88	प्रथम विशेष प्रवीणता	61.0

नई दिल्ली / *NEW DELHI*
दिनांक / *DATED* 16/05/2014

उप निदेशक (परीक्षा स्कंध)
DY. DIRECTOR (EXAM.)

राजभाषा

राजभाषा प्रकोष्ठ की विगत वर्ष 2024-25 की प्रमुख गतिविधियाँ

हिन्दी कार्यशाला

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रमानुसार प्रशासनिक काम-काज में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक तिमाही में एक हिन्दी कार्यशाला किया जाना आवश्यक है उक्त तारतम्य में वर्ष 2024-25 की तिमाही के दौरान निम्नलिखित हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया :-

अप्रैल – जून 2024

"कार्यालयीन कामकाज में तकनीकी भाषा का उपयोग"

दिनांक 11.06.2024

जुलाई - सितम्बर 2024

'टिप्पण प्रारूपण व कार्यालयीन पत्राचार'
दिनांक 24.09.2024

अक्टूबर से दिसम्बर - 2024

'राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन'
दिनांक 14.11.2024

राजभाषा उन्नयन की गृह राजभाषा पत्रिका 'भाषा भारती'

(ISSN 2321 – 5704)

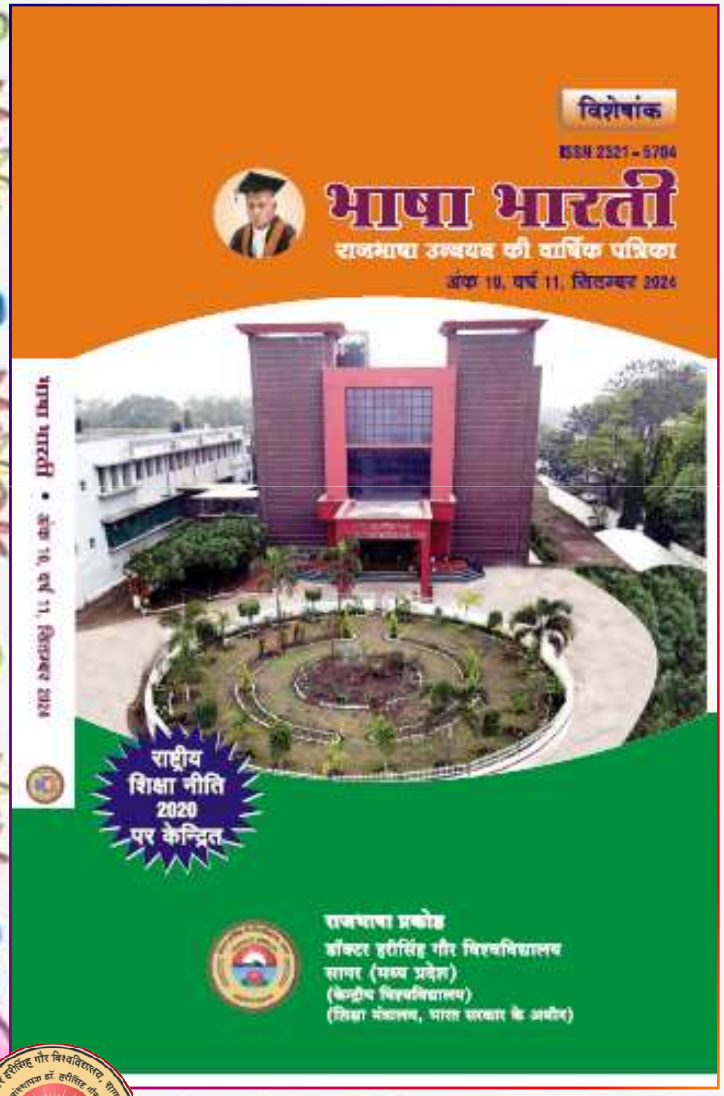

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर केन्द्रित 'भाषा भारती' अंक 10 विशेषांक के रूप में प्रकाशित।

हिन्दी पखवाड़ा-2024 के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में माननीया कुलपति महोदया एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा 'भाषा भारती' पत्रिका के दसवें अंक का विमोचन।

‘भाषा भारती’ पत्रिका एवं प्रकाशन

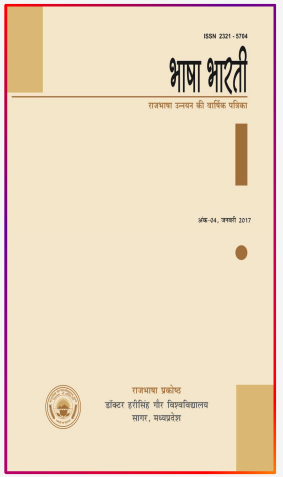

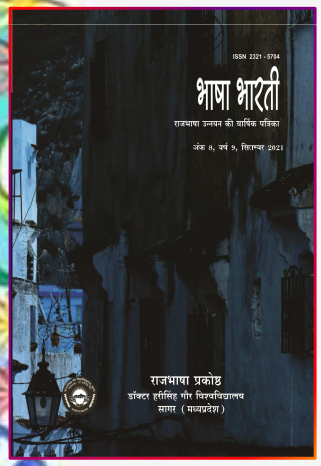

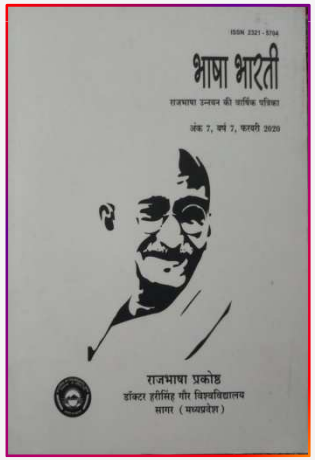

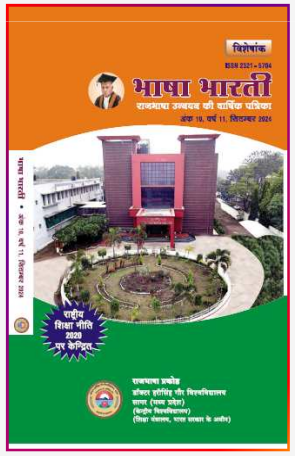

विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रमानुसार प्रशासनिक काम-काज में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने एवं विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित किया जाना आवश्यक है उक्त तारतम्य में वर्ष 2024-25 की तिमाही के दौरान निम्नलिखित बैठकों का आयोजन किया गया :-

47वीं तिमाही बैठक दिनांक 27.12.2024

46वीं तिमाही बैठक
दिनांक 30.09.2024

45वीं तिमाही बैठक
दिनांक 26.06.2024

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की आयोजित दोनों छ:माही बैठकों में विश्वविद्यालय की सहभागिता

बैठक दिनांक : 28 जून, 2024 एवं 22 नवम्बर, 2024

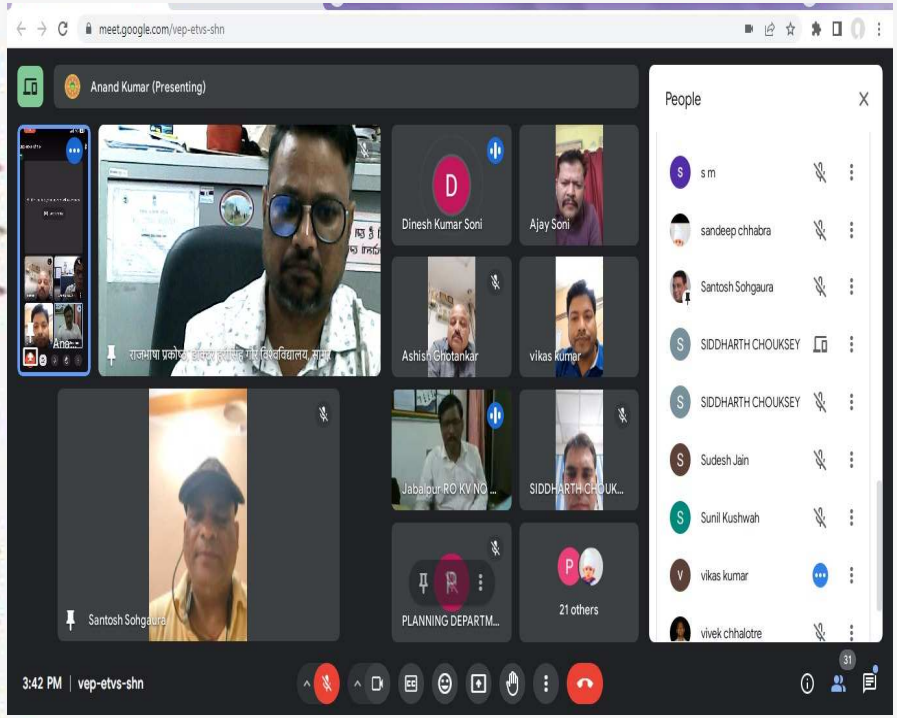

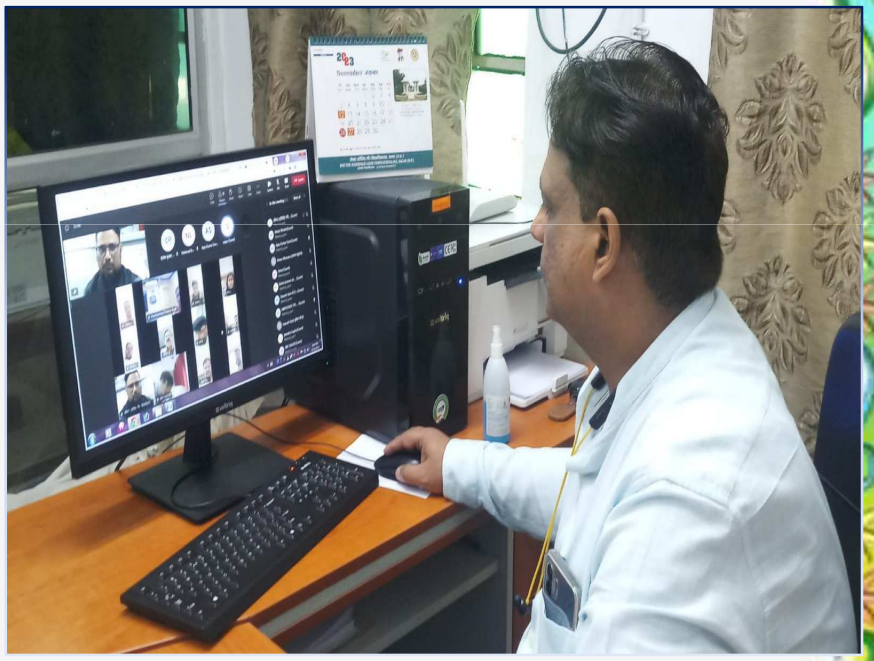

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छ:माही बैठकों में विश्वविद्यालय की सहभागिता एवं प्रोत्साहन।

कार्यालयीन कामकाज में द्विभाषी (हिन्दी-अंग्रेजी) रबर मुहरों का प्रयोग।

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M. P.)
(A Central University)

क्रमांक/रा.भा./2023/1929 21 अप्रैल 2023

परिपत्र

केवल हिन्दी/द्विभाषी रबर मुहरों का ही प्रयोग करना

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 11 के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 41–42वीं तिमाही बैठक में लिए गए निर्णयानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त अनुमोदन के आलोक में सभी संबंधितों को निर्देशित किया जाता है कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/अनुभागों/कार्यालयों में अंग्रेजी रबर मुहरों के स्थान पर हिन्दी/द्विभाषी रबर मुहरों का प्रयोग अनिवार्य किया जाये। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी मिसिल (नोटशीट) हिन्दी/द्विभाषी मुहर (पदनाम मुहर सहित) लगाकर अग्रेषित की जाये।

आदेशानुसार,
कुलसचिव 20/04/2023

प्रतिलिपिः– सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

- समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय अध्यक्ष, कोऑर्डिनेटर (समन्वयक), सहायक निदेशक, प्रभारी प्रोजेक्ट इन्वेस्टीगेटर, संयुक्त कुलसचिव, उपकुलसचिव, विश्वविद्यालय यंत्री, सहायक कुलसचिव, चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी अनुभाग अधिकारी, सहायक यंत्री, उपयंत्री, शाखा प्रभारी।
- वित्ताधिकारी/परीक्षा नियंत्रक।
- कुलपति जी के निजी सचिव के माध्यम से कुलपति जी को सूचनार्थ।

हिन्दी अधिकारी (प्र.)

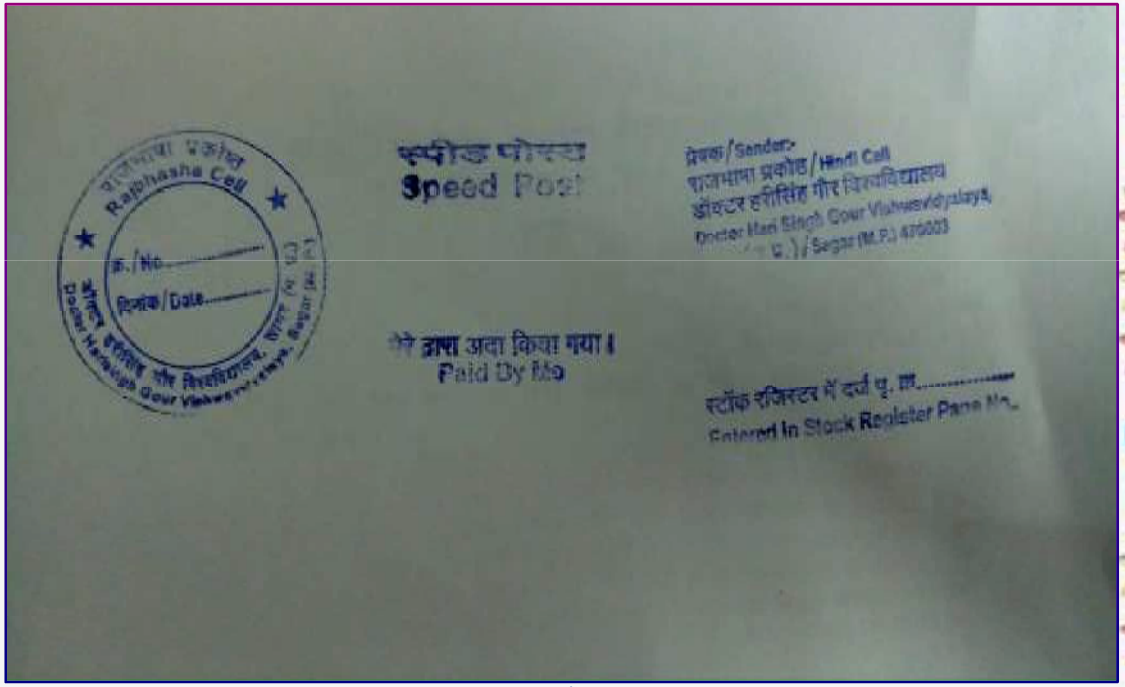

द्विभाषी रबर मुहर

विश्वविद्यालय का अधिनियम एवं अध्यादेश द्विभाषी (हिन्दी-अंग्रेजी) में।

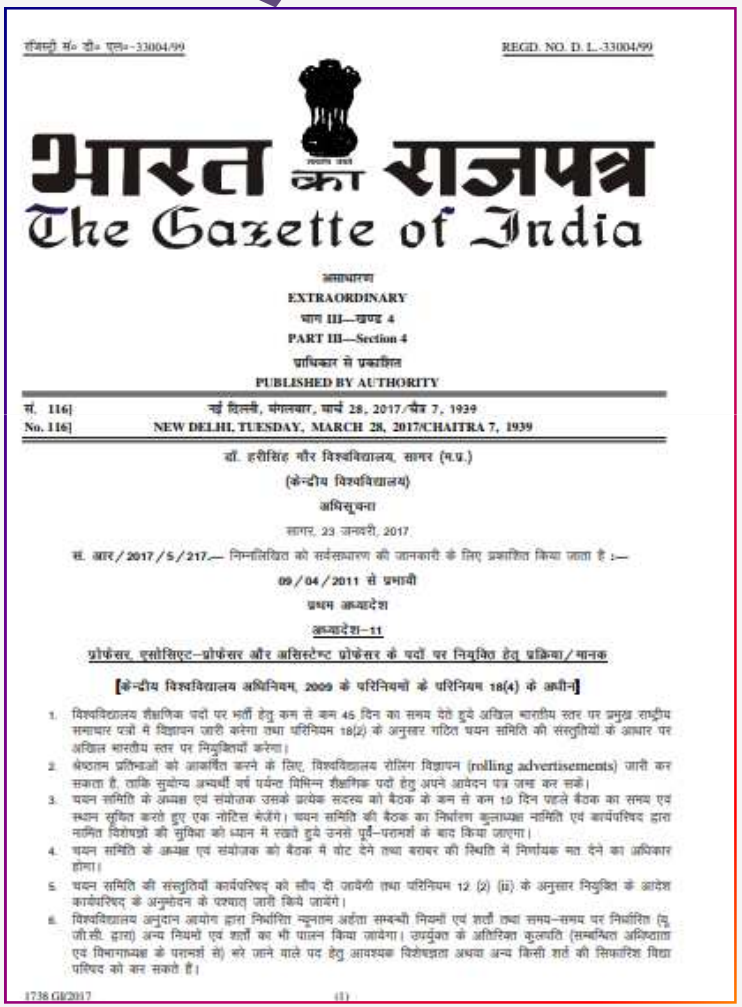

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 116] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 28, 2017/चैत्र 7, 1939
No. 116] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 28, 2017/CHAITRA 7, 1939

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

अधिसूचना

सागर, 23 जनवरी, 2017

सं. आर/2017/5/217.— निम्नलिखित को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है :—

09/04/2011 से प्रभावी

प्रथम अध्यादेश

अध्यादेश—11

प्रोफेसर, इसोसिएट—प्रोफेसर और असिस्टेण्ट प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति हेतु प्रक्रिया/मानक

[केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के परिनियमों के परिनियम 18(4) के अधीन]

1. विश्वविद्यालय शैक्षणिक पदों पर भर्ती हेतु कम से कम 45 दिन का समय देते हुये अखिल भारतीय स्तर पर प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी करेगा तथा परिनियम 18(2) के अनुसार गठित चयन समिति की संस्तुतियों के आधार पर अखिल भारतीय स्तर पर नियुक्तियाँ करेगा।
2. श्रेष्ठतम प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए, विश्वविद्यालय रोलिंग विज्ञापन (rolling advertisements) जारी कर सकता है, ताकि सुयोग्य अभ्यर्थी वर्ष पर्यन्त विभिन्न शैक्षणिक पदों हेतु अपने आवेदन पत्र जमा कर सकें।
3. चयन समिति के अध्यक्ष एवं संयोजक उसके प्रत्येक सदस्य को बैठक के जन से कम 10 दिन पहले बैठक का समय एवं स्थान सूचित करते हुए एक नोटिस भेजेंगे। चयन समिति की बैठक का निर्धारण कुलाध्यक्ष नामिती एवं कार्यपरिषद द्वारा नामित विशेषज्ञों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये उनसे पूर्व-परामर्श के बाद किया जाएगा।
4. चयन समिति के अध्यक्ष एवं संयोजक को बैठक में वोट देने तथा बराबर की स्थिति में निर्णायक मत देने का अधिकार होगा।
5. चयन समिति की संस्तुतियाँ कार्यपरिषद् को सौंप दी जावेगी तथा परिनियम 12 (2) (ii) के अनुसार नियुक्ति के आदेश कार्यपरिषद् के अनुमोदन के पश्चात् जारी किये जावेंगे।
6. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हता सम्बन्धी नियमों एवं शर्तों तथा समय-समय पर निर्धारित (यू.जी.सी. द्वारा) अन्य नियमों एवं शर्तों का भी पालन किया जायेगा। उपर्युक्त के अतिरिक्त कुलपति (सम्बन्धित अभिशाखा एवं विभागाध्यक्ष के परामर्श से) करे जाने वाले पद हेतु आवश्यक विशेषज्ञता अथवा अन्य किसी शर्त की सिफारिश विद्या परिषद को कर सकते हैं।

1738 GI/2017 (1)

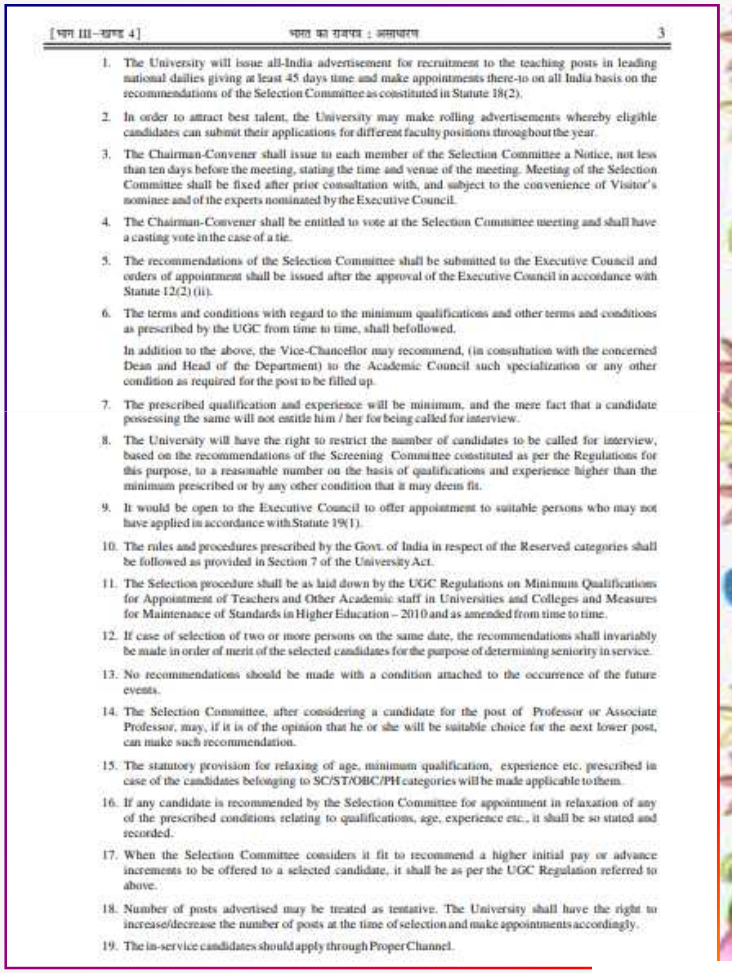

[भाग III—खण्ड 4] भारत का राजपत्र : असाधारण 3

1. The University will issue all-India advertisement for recruitment to the teaching posts in leading national dailies giving at least 45 days time and make appointments there-to on all India basis on the recommendations of the Selection Committee as constituted in Statute 18(2).
2. In order to attract best talent, the University may make rolling advertisements whereby eligible candidates can submit their applications for different faculty positions throughout the year.
3. The Chairman-Convener shall issue to each member of the Selection Committee a Notice, not less than ten days before the meeting, stating the time and venue of the meeting. Meeting of the Selection Committee shall be fixed after prior consultation with, and subject to the convenience of Visitor's nominee and of the experts nominated by the Executive Council.
4. The Chairman-Convener shall be entitled to vote at the Selection Committee meeting and shall have a casting vote in the case of a tie.
5. The recommendations of the Selection Committee shall be submitted to the Executive Council and orders of appointment shall be issued after the approval of the Executive Council in accordance with Statute 12(2) (ii).
6. The terms and conditions with regard to the minimum qualifications and other terms and conditions as prescribed by the UGC from time to time, shall befollowed.

   In addition to the above, the Vice-Chancellor may recommend, (in consultation with the concerned Dean and Head of the Department) to the Academic Council such specialization or any other condition as required for the post to be filled up.
7. The prescribed qualification and experience will be minimum, and the mere fact that a candidate possessing the same will not entitle him / her for being called for interview.
8. The University will have the right to restrict the number of candidates to be called for interview, based on the recommendations of the Screening Committee constituted as per the Regulations for this purpose, to a reasonable number on the basis of qualifications and experience higher than the minimum prescribed or by any other condition that it may deem fit.
9. It would be open to the Executive Council to offer appointment to suitable persons who may not have applied in accordance with Statute 19(1).
10. The rules and procedures prescribed by the Govt. of India in respect of the Reserved categories shall be followed as provided in Section 7 of the University Act.
11. The Selection procedure shall be as laid down by the UGC Regulations on Minimum Qualifications for Appointment of Teachers and Other Academic staff in Universities and Colleges and Measures for Maintenance of Standards in Higher Education – 2010 and as amended from time to time.
12. If case of selection of two or more persons on the same date, the recommendations shall invariably be made in order of merit of the selected candidates for the purpose of determining seniority in service.
13. No recommendations should be made with a condition attached to the occurrence of the future events.
14. The Selection Committee, after considering a candidate for the post of Professor or Associate Professor, may, if it is of the opinion that he or she will be suitable choice for the next lower post, can make such recommendation.
15. The statutory provision for relaxing of age, minimum qualification, experience etc. prescribed in case of the candidates belonging to SC/ST/OBC/PH categories will be made applicable to them.
16. If any candidate is recommended by the Selection Committee for appointment in relaxation of any of the prescribed conditions relating to qualifications, age, experience etc., it shall be so stated and recorded.
17. When the Selection Committee considers it fit to recommend a higher initial pay or advance increments to be offered to a selected candidate, it shall be as per the UGC Regulation referred to above.
18. Number of posts advertised may be treated as tentative. The University shall have the right to increase/decrease the number of posts at the time of selection and make appointments accordingly.
19. The in-service candidates should apply through Proper Channel.

माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में 14-15 सितम्बर, 2024 को भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हिन्दी अधिकारी की सहभागिता ।

हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार श्री अमित शाह जी के संदेश की मुद्रित प्रति माननीया कुलपति महोदया को सौंपते हुए राजभाषा प्रकोष्ठ के सदस्यगण।

14-15 सितम्बर, 2024 को भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा के विद्वानों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ।

हिन्दी दिवस - 2024 के अवसर पर 'हिन्दी पखवाड़ा' के अवसर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम।

माननीय कुलपति महोदया, प्रो. नीलिमा गुप्ता हिन्दी दिवस समारोह-2024 के पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित करते हुए।

मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता आदरणीया सुश्री शोभा पैठणकर हिन्दी दिवस समारोह-2024 के पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित करते हुए।

विश्वविद्यालय का वर्ष 2023-24 का वार्षिक प्रतिवेदन एवं वार्षिक लेखा द्विभाषी में उपलब्ध।

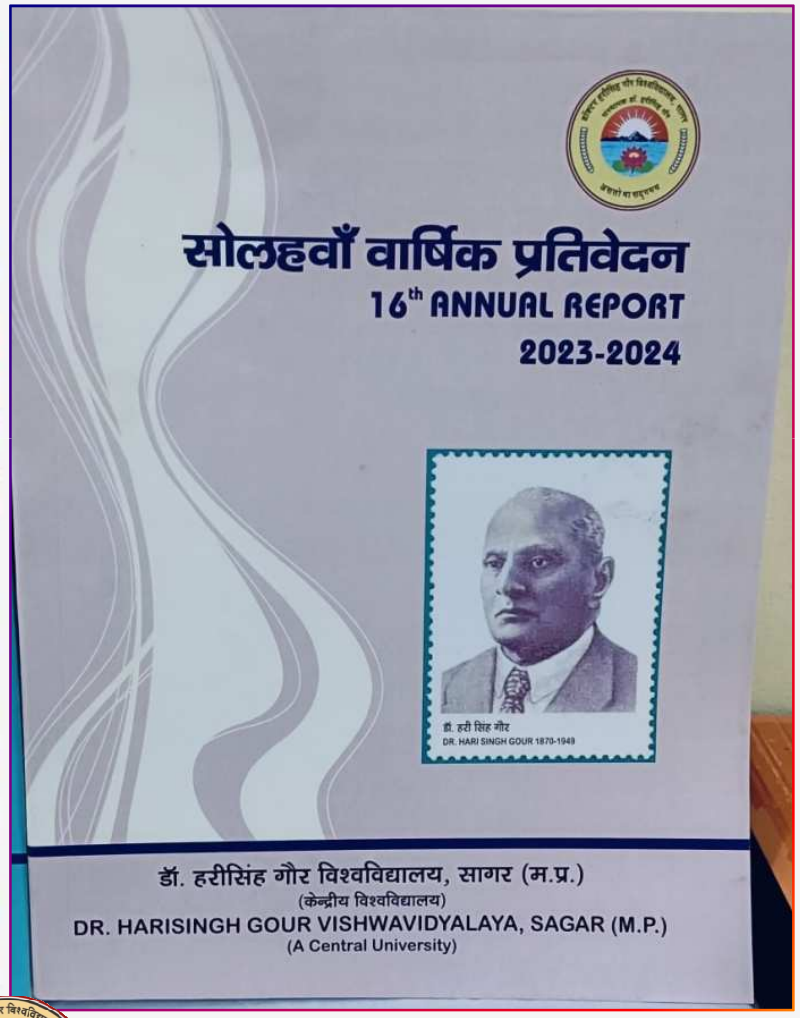

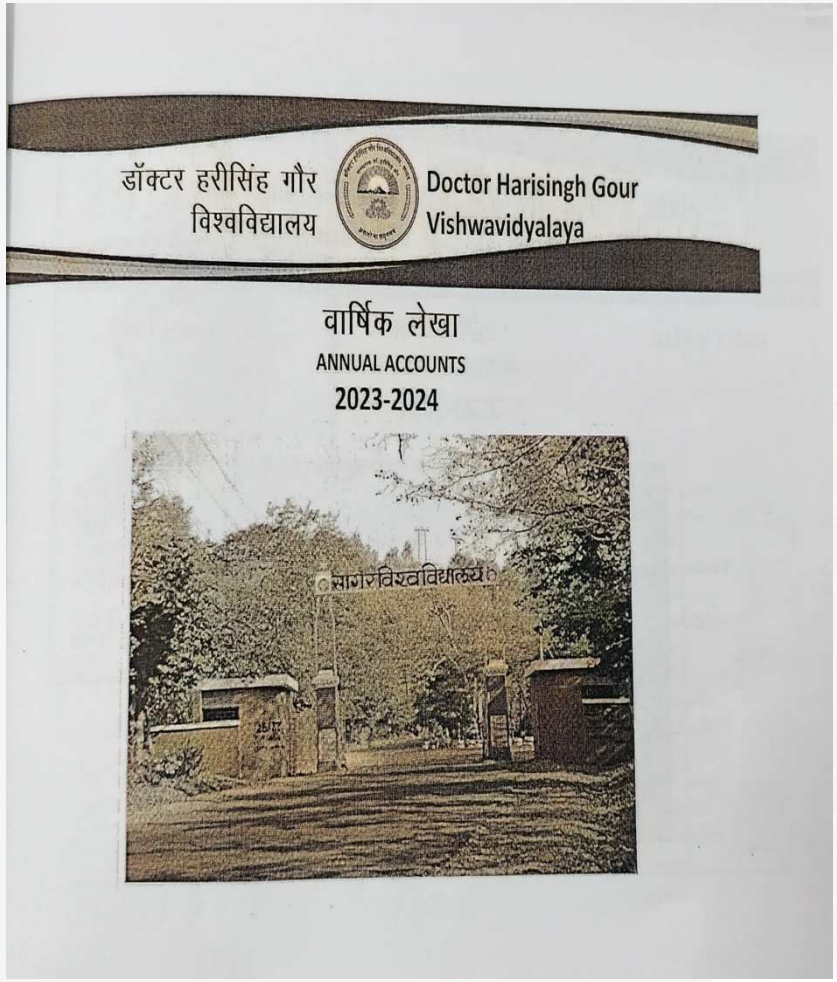

राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों, अधिकारियों, एवं कर्मचारियों हेतु 'राजभाषा पदक एवं पुरस्कार योजना' लागू।

राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए अधिकारी संवर्ग से डॉ. किरण माहेश्वरी, चिकित्सा अधिकारी, 'राजभाषा पदक एवं पुरस्कार' प्राप्त करते हुए।

राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए अधिकारी संवर्ग से श्रीमती ए. लक्ष्मी, सहायक कुलसचिव, 'राजभाषा पदक एवं पुरस्कार' प्राप्त करते हुए।

माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार, श्री अमित शाह जी के कर कमलों से विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी अधिकारी राजभाषा का सर्वोच्च पुरस्कार 'राजभाषा गौरव' प्राप्त करते हुए।

माननीय मुख्य मंत्री मध्यप्रदेश सरकार, श्री शिवराज सिंह चौहान जी के कर कमलों से विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी अधिकारी 'हिन्दी सेवी सम्मान' प्राप्त करते हुए।

राजभाषा संबंधी दस्तावेजों का संकलन

राजभाषा प्रकाशन, सम्मान एवं प्रोत्साहन

राजभाषा संबंधी मुख्य निर्देश

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3)के अंतर्गत आनेवाले दस्तावेजों की सूची

1. संकल्प (Resolutions)
2. सामान्य आदेश (General Orders)
3. नियम (Rules)
4. अधिसूचनाएँ (Notifications)
5. प्रशासनिक एवं अन्य रिपोर्टें (Administrative and other Reports)
6. प्रेस विज्ञप्तियाँ (Press Communiques)
7. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्टें
8. संसद के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले सरकारी कागज-पत्र
9. संविदाएँ (Contracts)
10. करार (Agreements)
11. अनुज्ञप्तियाँ (Licences)
12. अनुज्ञा पत्र (Permits)
13. निविदा सूचना (Tender Notice)
14. विश्वविद्यालयों द्वारा जारी किए जाने वाले परिपत्र (Circular issued by the University)
15. टेंडर फार्म (Tender Forms)

– अनुच्छेद 351 –
हिन्दी भाषा के विकास के लिए निदेश

संघ का यह कर्त्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी में और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ उसके शब्द-भण्डार के लिए मुख्यत: संस्कृत से और गौणत: अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।

संविधान की आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट 22 भाषाएँ

असमिया	मलयालम
उड़िया	संस्कृत
उर्दू	सिंधी
कन्नड़	हिन्दी
कश्मीरी	मणिपुरी
गुजराती	नेपाली
तमिल	कोंकणी
तेलुगु	मैथिली
पंजाबी	संथाली
बंगला	बोड़ो
मराठी	डोगरी

राजभाषा प्रकोष्ठ

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL
संतोष सोहगौरा
SANTOSH SOHGAURA
हिन्दी अधिकारी (प्र.)
HINDI OFFICER (I/C)
जय हिन्दी, जय नागरी

नवाचार

हिन्दी क्लब का गठन

विश्वविद्यालय में भाषाई समृद्धि के लिए माननीया कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय के विभिन्न राज्यों से आये विद्यार्थियों के भाषाई विकास एवं प्रोत्साहन हेतु 'हिन्दी क्लब' का गठन किया गया।

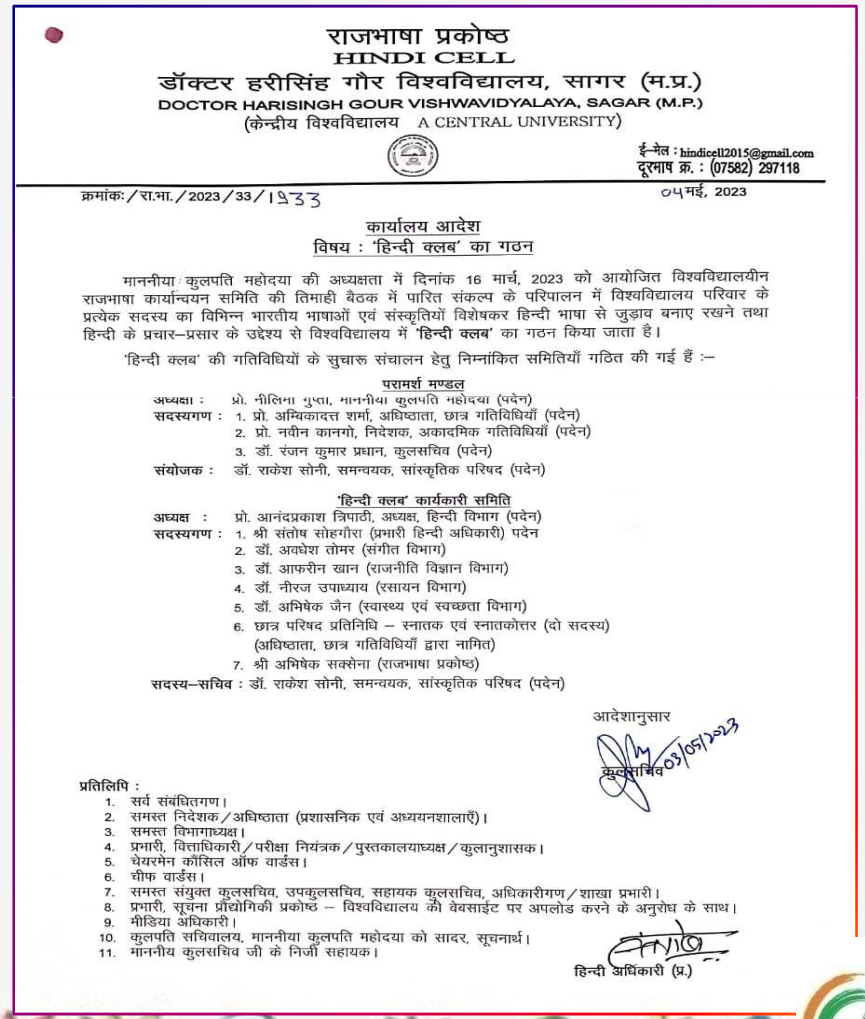

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)

ई-मेल : hindicell2015@gmail.com
दूरभाष क्र. : (07582) 297118

क्रमांक: /रा.भा./2023/33/1933 ०५मई, 2023

कार्यालय आदेश
विषय : 'हिन्दी क्लब' का गठन

माननीया कुलपति महोदया की अध्यक्षता में दिनांक 16 मार्च, 2023 को आयोजित विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में पारित संकल्प के परिपालन में विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य का विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं संस्कृतियों विशेषकर हिन्दी भाषा से जुड़ाव बनाए रखने तथा हिन्दी के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में **'हिन्दी क्लब'** का गठन किया जाता है।

'हिन्दी क्लब' की गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु निम्नांकित समितियाँ गठित की गई हैं :–

परामर्श मण्डल

अध्यक्ष : प्रो. नीलिमा गुप्ता, माननीया कुलपति महोदया (पदेन)
सदस्यगण : 1. प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, अधिष्ठाता, छात्र गतिविधियाँ (पदेन)
2. प्रो. नवीन कानगो, निदेशक, अकादमिक गतिविधियाँ (पदेन)
3. डॉ. रंजन कुमार प्रधान, कुलसचिव (पदेन)
संयोजक : डॉ. राकेश सोनी, समन्वयक, सांस्कृतिक परिषद (पदेन)

'हिन्दी क्लब' कार्यकारी समिति

अध्यक्ष : प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग (पदेन)
सदस्यगण : 1. श्री संतोष सोहगौरा (प्रभारी हिन्दी अधिकारी) पदेन
2. डॉ. अवधेश तोमर (संगीत विभाग)
3. डॉ. आफरीन खान (राजनीति विज्ञान विभाग)
4. डॉ. नीरज उपाध्याय (रसायन विभाग)
5. डॉ. अभिषेक जैन (स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग)
6. छात्र परिषद प्रतिनिधि – स्नातक एवं स्नातकोत्तर (दो सदस्य) (अधिष्ठाता, छात्र गतिविधियाँ द्वारा नामित)
7. श्री अभिषेक सक्सेना (राजभाषा प्रकोष्ठ)
सदस्य–सचिव : डॉ. राकेश सोनी, समन्वयक, सांस्कृतिक परिषद (पदेन)

आदेशानुसार
कुलसचिव 03/05/2023

प्रतिलिपि :
1. सर्व संबंधितगण।
2. समस्त निदेशक/अधिष्ठाता (प्रशासनिक एवं अध्ययनशालाएँ)।
3. समस्त विभागाध्यक्ष।
4. प्रभारी, वित्ताधिकारी/परीक्षा नियंत्रक/पुस्तकालयाध्यक्ष/कुलानुशासक।
5. चेयरमेन कौंसिल ऑफ वार्डस।
6. चीफ वार्डस।
7. समस्त संयुक्त कुलसचिव, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, अधिकारीगण/शाखा प्रभारी।
8. प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ – विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड करने के अनुरोध के साथ।
9. मीडिया अधिकारी।
10. कुलपति सचिवालय, माननीया कुलपति महोदया को सादर, सूचनार्थ।
11. माननीय कुलसचिव जी के निजी सहायक।

हिन्दी अधिकारी (प्र.)

हिन्दी क्लब की गतिविधियों के छायाचित्र

समाचार पत्रों की कतरनें

हिंदी पखवाड़ा : विवि में हिंदी गीतमाला एवं नाट्यकला कार्यक्रम हुआ

मानसिक विकास ही सफलता नहीं, आंतरिक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन भी जरूरी है: सोहगौरा

भास्कर संवाददाता | सागर

विद्यार्थी विश्वविद्यालय एवं राष्ट्र की अमूल्य निधि हैं। केवल मानसिक विकास ही सफलता का मानक नहीं है, बल्कि उनकी आंतरिक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन भी जरूरी है। उनकी इसी अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करेगा, विश्वविद्यालय का नवगठित हिंदी क्लब।

यह बात डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हिंदी गीतमाला एवं नाट्यकला प्रदर्शन कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कुलपति के मार्गदर्शन में गठित हिंदी क्लब हिन्दीतर भाषी विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के अन्य

सागर। कार्यक्रम को संबोधित करते संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा।

सदस्यों के लिए एक अनूठा मंच है। जहां न केवल संस्कृतियों के परस्पर सम्मिलन का बल्कि अपनी प्रतिभा एवं संस्कृति को प्रस्तुत करने का भरपूर अवसर है। अध्यक्षता कर रहे हिंदी क्लब की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने कहा भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने का मंच हिंदी क्लब है। उद्घाटन सत्र में अंशुल आठिया, राज जैन, सिद्धांत शर्मा ने गीत, कविता, गजल आदि की प्रस्तुति दी। वंशिका व्यास, स्तुति खंपरिया और अंशिका तिवारी, मधु स्मृति अधिकारी, शोएब, हामिद और आलिया आदि ने भी प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय के गैर-हिंदी भाषियों की कला को उभारने और उन्हें बुंदेलखंड की कला, संगीत और संस्कृति के विविध अनुभव प्राप्त करने में मदद करने के लिए हिंदी क्लब की गतिविधियों की शुरुआत हुई। आदित्य प्रकाश, अनंत, अभिषेक, राघवेंद्र सिंह और हितांशी पमनानी समेत कई कलाकारों ने इस कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग दिया। डॉ. राकेश सोनी ने विद्यार्थियों से इसी उत्साह के साथ हिंदी क्लब से जुड़ने की अपील की।

कार्यक्रम में डॉ. अवधेश तोमर, डॉ. चिट्टीबाबू, डॉ. अभिषेक जैन, विनोद रजक आदि मौजूद थे। संचालन सलोनी शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया।

हिंदी क्लब का उद्घाटन

विद्यार्थियों ने अलग-अलग भाषा में दी गीतों की प्रस्तुति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. भारत की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने का मंच है 'हिन्दी क्लब। यह बात डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वाविद्यालय में हिंदी गीतमाला व नाट्य कला प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कही।

प्रभारी हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने हिन्दी क्लब हिन्दीतर भाषी विद्यार्थियों व विश्वविद्यालय के अन्य सदस्यों के लिए एक अनूठा मंच है। हिंदी क्लब के उद्घाटन सत्र की शुरूआत संगीत विभाग के छात्र अंशुल आठिया ने की। राज जैन ने 'मेरे प्यारे वतन', एक कविता और हिंदी विभाग के शोध छात्र सिद्धांत शर्मा ने एक गजल प्रस्तुत की। वंशिका व्यास, स्तुति हंपरिया और अंशिका तिवारी ने मासूम, मेरा साया, सत्यम शिवम सुंदरम गीत गाए।

मधुस्मृति दास ने 'हमरी अटरिया' को बंगाली भाषा में प्रस्तुत किया। शोएब, हामिद और आलिया ने जैमिंग सत्र सहित मलयाली गीत की प्रस्तुति दी। आदित्य प्रकाश, अनंत, अभिषेक, राघवेंद्र सिंह और हितांशी पमनानी सहित कई कलाकारों ने फिल्मी गानों पर प्रस्तुति दी। डॉ. राकेश सोनी ने विद्यार्थियों से उत्साह के साथ 'हिन्दी क्लब' से जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर डॉ. अवधेश तोमर, डॉ. चिट्टीबाबू, डॉ. अभिषेक जैन सहित संगीत विभाग के संगतकार बंधु यशगोपाल, गगन राज, संजय, मैकलिन, शुभम, ज्योतिमय व अन्य विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' का गठन

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

ई-मेल: hindicell2015@gmail.com   दूरभाष: 07582(297118)

क्र. रा.भा.प्र./भा.भा.पु.ले./73/ 2102   दिनांक: 10 जनवरी, 2024

।। अधिसूचना ।।

भारतीय भाषा प्रकोष्ठ का गठन

सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विभिन्न भाषा-भाषी विद्यार्थियों की भाषा-संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन, संबंधित भाषा में पाठ्यसामग्री निर्माण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुपालन में मातृभाषाओं में पुस्तक लेखन/अनुवाद, भारतीय भाषाओं के प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संबंधित भाषा के लिए 'भाषा अभिभावक' की भूमिका के निर्वहन हेतु एतदद्वारा **'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ'** का निम्नानुसार गठन किया जाता है –

1.	**प्रो. देवाशीष बोस** 9425425032	अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग	**समन्वयक**	**भाषा अभिभावक - बांग्ला**
2.	**प्रो. वर्षा शर्मा** 7224972111	प्राणिशास्त्र विभाग	**सह-समन्वयक**	**भाषा अभिभावक - पंजाबी**
3.	डॉ. वसीम अनवर 9301316075	उर्दू विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - उर्दू
4.	डॉ. महेश्वर पण्डा 8989944138	भौतिकी विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - ओडिआ
5.	डॉ. किरण आर्या 9479983604	संस्कृत विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - संस्कृत
6.	डॉ. चिट्टीबाबू 9290585578	जीवन पर्यन्त शिक्षा विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - तेलुगु
7.	डॉ. सतीश सी. 9479983728	सामान्य एवं व्यवहारिक भूगोल विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - मलयालम
8.	डॉ. महेन्द्र सिम्हा कर्णे 8989713564	अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - तमिल
9.	डॉ. शालिनी चोइथरानी 8989855884	वाणिज्य विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - सिंधी
10.	डॉ. कालीनाथ झा 9981758776	समाजशास्त्र विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - मैथिली
11.	श्री रूपेन्द्र जुगल चौरसिया 9727585668	सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	सदस्य	भाषा अभिभावक - गुजराती
12.	प्रो. जी.एल. पुणताम्बेकर 9425425964	वाणिज्य विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - मराठी
13.	प्रो. ए.के. सिंह 9412054678	व्यवहारिक भूगर्भशास्त्र	सदस्य	भाषा अभिभावक - मणिपुरी
14.	डॉ. संजीव सर्राफ 9425437356	उपपुस्तकालयाध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय	**सदस्य-सचिव**	

आदेशानुसार,

10.01.2024
कुलसचिव (प्र.)

संलग्नक - भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के गठन का अवधारणा पत्र।

प्रतिलिपि -

1. सर्वसंबंधित समन्वयक, सह-समन्वयक, सदस्यगण एवं सदस्य-सचिव -- भारतीय भाषा प्रकोष्ठ।
2. कुलपति महोदया के निजी सहायक, माननीया कुलपति महोदया को सूचनार्थ।
3. कुलसचिव महोदय के निजी सहायक, कुलसचिव जी को सूचनार्थ।
4. प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ - विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
5. संबंधित मिसिल।

10/01/24
हिन्दी अधिकारी (प्र.)

राजभाषा

शिक्षा समागम-2023 में भारतीय भाषाओं में पुस्तकों का प्रकाशन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में भारतीय भाषाओं में पाठ्य-सामग्री निर्माण

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 29 एवं 30 जुलाई, 2023 को 'अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2023' का आयोजन किया गया।
- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी उपस्थित रहे।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप भारतीय भाषाओं में शिक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय भाषाओं में पाठ्यसामग्री का निर्माण किया जा रहा है। इस क्रम में माननीय प्रधानमंत्री ने विज्ञान, तकनीकी एवं सामाजिक विज्ञान विषयों की 12 भारतीय भाषाओं में लिखित 100 पुस्तकों का विमोचन किया।
- इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा भारतीय भाषाओं में लिखित 12 पाठ्यपुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गप्ता जी की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।

राजभाषा

विमोचित पुस्तकों एवं लेखकों की सूची

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक/ सह-लेखक का नाम	विषय/अनुशासन	भाषा
1.	माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकन्ट्रोलर (एक परिचय)	प्रो. आशीष वर्मा	भौतिकी	हिन्दी
2.	प्राचीन भारतीय राजनय एवं प्रशासन	प्रो. नागेश दुबे	प्राचीन भारतीय इतिहास	हिन्दी
3.	प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी कहानी: मूल्य और मूल्यांकन	डॉ. आशुतोष	हिन्दी	हिन्दी
4.	पेप्टाइड मैनो तकनीकी आधारित जैव चिकित्सकीय अनुप्रयोग	डॉ. खष्टी वल्लभ जोशी	रसायन	हिन्दी
5.	अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान: सिद्धांत एवं प्रयोग	डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी	भाषा विज्ञान	हिन्दी
6.	मशीनी अनुवाद: परिचय	डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी	भाषा विज्ञान	हिन्दी
7.	त्वचा रोग में उपयोगी औषधीय पौधे	प्रो. उमेश कुमार पाटिल	भेषजिक विज्ञान	हिन्दी
8.	डी और एफ ब्लॉक तत्वों के रासायनिक सिद्धांत	डॉ. नीरज उपाध्याय	रसायन	हिन्दी
09.	भारतीय मसालों के औषधीय गुण	प्रो. उमेश कुमार पाटिल	भेषजिक विज्ञान	हिन्दी
10.	इंतेखाब-ए-ग़ज़लियात	डॉ. वसीम अनवर	उर्दू	उर्दू
11.	" স্পেকট্রোস্কোপি এবং কোয়ান্টাম রসায়ন নব ভূমিকা (Introduction of Spectroscopy and quantum chemistry) "	डॉ. पुष्पल घोष डॉ. मौटूसी मन्ना	रसायन	बांग्ला
12.	क्वांटम रसायन विज्ञान और स्पेक्ट्रोस्कोपी का परिचय	डॉ. पुष्पल घोष डॉ. मौटूसी मन्ना डॉ. नीरज उपाध्याय	रसायन	हिन्दी

राजभाषा

डा. गौर विवि के 12 शिक्षकों की पुस्तक का प्रधानमंत्री ने किया विमोचन

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम में शिक्षा और कौशल पाठ्यचर्या से संबंधित 12 भारतीय भाषाओं के सौ पुस्तकों का विमोचन प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकें भी इन पुस्तकों में सम्मिलित हैं।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। फोटो ● विवि प्रबंधन

गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत ज्ञान के प्रत्येक अनुशासनों और पाठ्यक्रमों की पुस्तकों को 22 भारतीय भाषाओं में लाए जाने का लक्ष्य है, जिसके तहत विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों की 12 से अधिक पुस्तकें प्रकाशन के लिए प्रेषित की गई थीं। इन्हीं पुस्तकों का विमोचन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री भारत सरकार धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

विभिन्न विषयों को लेकर प्रकाशित हुई पुस्तकें- इस योजना के तहत भौतिक विज्ञान में माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंट्रोलर एक परिचय (लेखक प्रो. आशीष वर्मा एवं सह लेखक रितु आर्य), प्राचीन भारतीय इतिहास में प्राचीन भारतीय राजनय एवं प्रशासन (लेखक प्रो. नागेश दुबे एवं सह लेखक प्रो. आलोक श्रोत्रिय), हिन्दी में प्रेमचन्दोत्तर हिन्दीत कहानी : मूल्य और मूल्यांकन(लेखक डा. आशुतोष), रसायन में पेप्टाइड नैनो तकनीकी आधारित जैव चिकित्सकीय अनुप्रयोग (लेखक डा. खष्टी बल्लभ जोशी, सह लेखक आनंद कौतु एवं श्रुति शर्मा), भाषा विज्ञान में अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग (लेखक डा. अभिज्ञान द्विवेदी), मशीनी अनुवाद : परिचय (लेखक डा. अभिज्ञान द्विवेदी), फार्मेसी में त्वचा रोग में उपयोगी औषधीय पौधे (लेखक प्रो. उमेश के. पाटिल एवं सह लेखक प्रो. संजय के. जैन) रसायन में डी और एफ ब्लाक तत्वों के रासायनिक सिद्धांत लेखक डा. नीरज उपाध्याय, फार्मेसी में भारतीय मसालों के औषधीय गुण (लेखक प्रो. उमेश के. पाटिल एवं सह लेखक प्रो. संजय के. जैन), उर्दू में इंतेखाब ए ग़ज़लियात (लेखक डा. वसीम अनवर), रसायन पर बंगला भाषा में इंट्रोडक्शन आफ़ स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड क्वांटम केमिस्ट्रीज (लेखक डा. पुष्पल घोष) रसायन में क्वंटम रसायन विज्ञान और स्पेक्ट्रोस्कोपी का परिचय (लेखक डा. पुष्पल घोष, डा. नीरज उपाध्याय एवं डा. मौतुसी मन्ना) ने लेखन कार्य किया है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सभी लेखक शिक्षकों को बधाई दी है।

विवि के शिक्षकों द्वारा लिखी गईं बारह पुस्तकों का प्रधानमंत्री ने किया विमोचन

भास्कर संवाददाता | सागर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के तीन साल पूर्ण होने पर नई दिल्ली में अखिल भारतीय शिक्षा समागम में शिक्षा और कौशल पाठ्यचर्या से संबंधित 12 भारतीय भाषाओं की 100 पुस्तकों का विमोचन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा सक्रिय भागीदारी करते हुए विभिन्न विषयों की 12 पुस्तकें प्रकाशन के लिए भेजी गई थीं। जिनका विमोचन प्रधानमंत्री ने किया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी आदि मौजूद रहे। प्रो. आशीष वर्मा, रितु आर्य, प्रो. नागेश दुबे एवं आलोक श्रोत्रिय, डॉ. आशुतोष, डॉ. खष्टी बल्लभ जोशी, आनंद कौतु एवं श्रुति शर्मा, डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी, प्रो. उमेश के पाटिल एवं प्रो. संजय जैन, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. वसीम अनवर, डॉ. पुष्पल घोष, डॉ. मौतुसी मन्ना द्वारा लिखी गई विभिन्न विषयों की किताबों का विमोचन किया गया है।

शिक्षा समागम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रधानमंत्री द्वारा विमोचन

सागर(एस.बी.न्यूज)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम में शिक्षा और कौशल पाठ्यचर्या से संबंधित 12 भारतीय भाषाओं के सौ पुस्तकों का विमोचन माननीय प्रधानमंत्री के कर कमलों द्वारा हुआ। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकें भी इन पुस्तकों में सम्मिलित हैं. गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत ज्ञान के प्रत्येक अनुशासनों और पाठ्यक्रमों की पुस्तकों को 22 भारतीय भाषाओं में लाये जाने का लक्ष्य है जिसके तहत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व और मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा सक्रिय भागीदारी करते हुए विभिन्न विषयों की 12 से अधिक पुस्तकें प्रकाशन हेतु प्रेषित की गई थीं. इन्हीं पुस्तकों का विमोचन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री भारत सरकार धर्मेन्द्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

इस योजना के तहत भौतिक विज्ञान में 'माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंट्रोलर- एक परिचय' (लेखक प्रो. आशीष वर्मा एवं सह लेखक रितु आर्य), प्राचीन भारतीय इतिहास में 'प्राचीन भारतीय राजनय एवं प्रशासन' (लेखक प्रो. नागेश दुबे एवं सह लेखक प्रो. आलोक श्रोत्रिय), हिन्दीख में 'प्रेमचन्दोत्तार हिन्दीत कहानी -मूल्य और मूल्यां कन' (लेखक डॉ. आशुतोष), रसायन में 'पेप्टाइड नैनो तकनीकी आधारित जैवचिकित्सकीय अनुप्रयोग' (लेखक डॉ खष्टी बल्लभ जोशी, सह लेखक आनंद कौतु एवं श्रुति शर्मा), भाषा विज्ञान में 'अनुप्रयुक्तर भाषा विज्ञान - सिद्धांत एवं प्रयोग' (लेखक डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी), 'मशीनी अनुवाद - परिचय' (लेखक डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी), फार्मेसी में 'त्वजचा रोग में उपयोगी औषधीय पौधे' (लेखक प्रो. उमेश के. पाटिल एवं सह लेखक प्रो. संजय के. जैन) रसायन में 'डी और एफ ब्लॉक तत्वों के रासायनिक सिद्धांत' लेखक डॉ. नीरज उपाध्यामय, फार्मेसी में 'भारतीय मसालों के औषधीय गुण' (लेखक प्रो. उमेश के. पाटिल एवं सह लेखक प्रो. संजय के. जैन), उर्दू में 'इंतेखाब ए ग़ज़लियात' (लेखक डॉ. वसीम अनवर), रसायन पर बंगला भाषा में 'इंट्रोडक्शन ऑफ़ स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड क्वांटम केमिस्ट्री' (लेखक डॉ. पुष्प ल घोष) रसायन में 'क्वांटम रसायन विज्ञान और स्पेक्ट्रोस्कोपी का परिचय' (लेखक डॉ. पुष्पल घोष, डॉ. नीरज उपाध्याय एवं डॉ. मौतुसी मन्ना) ने लेखन कार्य किया है.। इस अवसर पर उदघाटन भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय भाषाओं को लेकर महत्त्वपूर्ण वक्तव्य भी दिया जिसमें उन्होंने कहा कि देश की प्रतिभा को भाषा के आधार पर जज किया जाना अन्याय है। भारतीय भाषाओं में पढ़ाई के साथ उनकी प्रतिभा को महत्व दिया जाना चाहिए। दुनिया में ज्यादातर विकसित देशों ने अपनी नेटिव भाषा से समृद्धि पाई है। यह दुर्भाग्य है कि भाषा की दृष्टि से समृद्ध होने के बावजूद देश को पिछड़ेपन के तौर पर पेश किया गया। इसके कारण ग्रामीण प्रतिभाओं को नुकसान उठाना पड़ा। अमृतकाल में इन हीन भावना को पीछे छोड़ने की शुरुआत हो चुकी है। अब समाज विज्ञान से लेकर इंजीनियरिंग तक में प्रत्येक भारतीय भाषा भाषी युवाओं के पास हुनर होगा। इसका लाभ देश को मिलेगा। राष्ट्रीय शिक्षानीति के जरिये भाषा को सम्मान मिलेगा।

शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रधानमंत्री ने किया विमोचन

सागर. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के तीन साल पूर्ण होने के अवसर पर दिल्ली में आयोजित भारत मंडपम कार्यक्रम में शिक्षा और कौशल पाठ्यचर्या से संबंधित 12 भारतीय भाषाओं की सौ पुस्तकों का विमोचन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

इसमें डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित 12 से ज्यादा पुस्तकें भी शामिल थीं। इसमें भौतिक विज्ञान में लेखक प्रो. आशीष वर्मा एवं सह लेखक रितु आर्य की माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंट्रोलर एक परिचय, प्राचीन भारतीय इतिहास में लेखक प्रो. नागेश दुबे व सह लेखक प्रो. आलोक श्रोत्रिय की प्राचीन भारतीय राजनय एवं प्रशासन, हिन्दी में लेखक डॉ. आशुतोष की प्रेमचन्दोत्तार हिन्दी कहानी मूल्य और मूल्यांकन, रसायन में लेखक डॉ. खष्टी बल्लभ जोशी व सह लेखक आनंद कौतु एवं श्रुति शर्मा की पेप्टाइड नैनो तकनीकी आधारित जैव चिकित्सकीय अनुप्रयोग, भाषा विज्ञान में लेखक डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी की अनुप्रयुक्तर भाषा विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग सहित लेखक डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी, लेखक प्रो. उमेश के पाटिल एवं सह लेखक प्रो. संजय के जैन, लेखक डॉ. वसीम अनवर, लेखक डॉ. पुष्पल घोष, डॉ. नीरज उपाध्याय व डॉ. मौतुसी मन्ना की किताबें भी शामिल थीं।

राजभाषा

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विभिन्न भाषाओं में लिखित पुस्तकों का विमोचन

विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में लिए गए संकल्प के अनुपालन में 'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' का गठन।

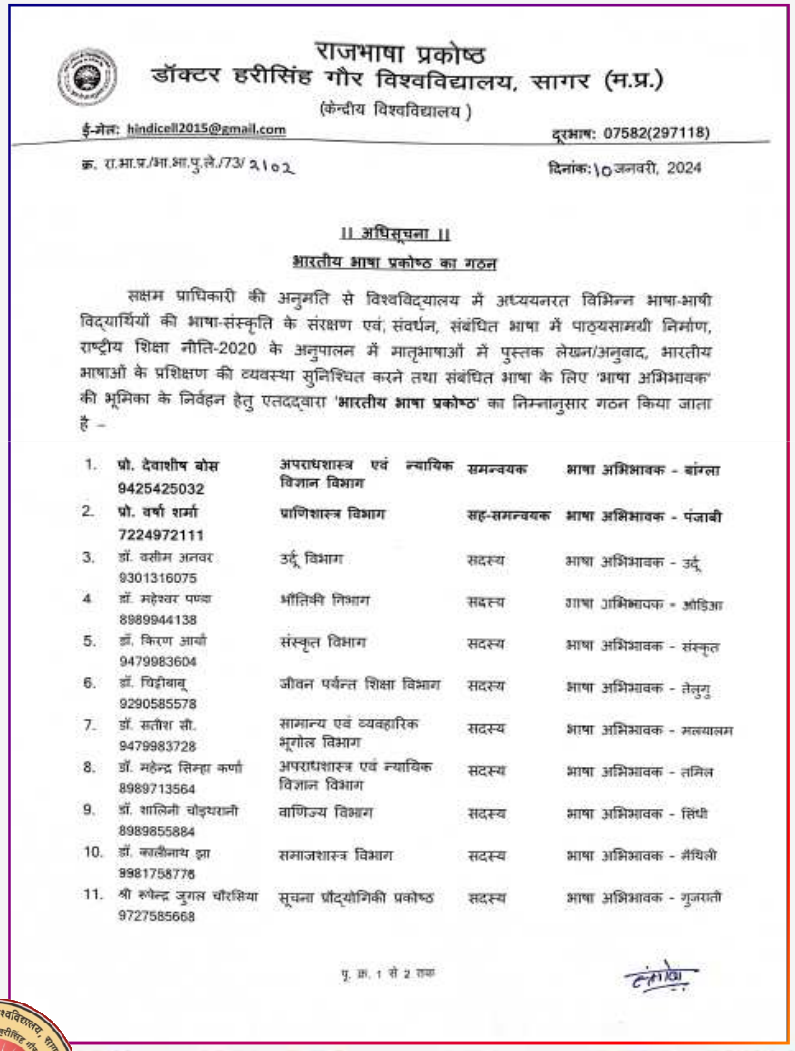

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
ई-मेल: hindicell2015@gmail.com
दूरभाष: 07582(297118)

क्र. रा.भा.प्र./भा.भा.पु.ले./73/ २१०२

दिनांक: १० जनवरी, 2024

॥ अधिसूचना ॥

भारतीय भाषा प्रकोष्ठ का गठन

सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विभिन्न भाषा-भाषी विद्यार्थियों की भाषा-संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन, संबंधित भाषा में पाठ्यसामग्री निर्माण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुपालन में मातृभाषाओं में पुस्तक लेखन/अनुवाद, भारतीय भाषाओं के प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संबंधित भाषा के लिए 'भाषा अभिभावक' की भूमिका के निर्वहन हेतु एतद्द्वारा **'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ'** का निम्नानुसार गठन किया जाता है –

1.	**प्रो. देवाशीष बोस 9425425032**	अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग	समन्वयक	भाषा अभिभावक - बांग्ला
2.	**प्रो. वर्षा शर्मा 7224972111**	प्राणिशास्त्र विभाग	सह-समन्वयक	भाषा अभिभावक - पंजाबी
3.	डॉ. वसीम अनवर 9301316075	उर्दू विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - उर्दू
4	डॉ. महेश्वर पण्डा 8989944138	भौतिकी विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - ओड़िआ
5.	डॉ. किरण आर्या 9479983604	संस्कृत विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - संस्कृत
6.	डॉ. पिट्टीबाबू 9290585578	जीवन पर्यन्त शिक्षा विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - तेलुगु
7.	डॉ. सतीश सी. 9479983728	सामान्य एवं व्यवहारिक भूगोल विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - मलयालम
8.	डॉ. महेन्द्र सिन्हा कर्णा 8989713564	अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - तमिल
9.	डॉ. शालिनी चोइथरानी 8989855884	वाणिज्य विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - सिंधी
10.	डॉ. कालीनाथ झा 9981758778	समाजशास्त्र विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - मैथिली
11.	श्री रुपेन्द्र जुगल चौरसिया 9727585668	सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	सदस्य	भाषा अभिभावक - गुजराती
12.	प्रो. जी.एल. पुणताम्बेकर 9425425964	वाणिज्य विभाग	सदस्य	भाषा अभिभावक - मराठी
13.	प्रो. ए.के. सिंह 9412054878	व्यवहारिक भूगर्भशास्त्र	सदस्य	भाषा अभिभावक - मणिपुरी
14.	डॉ. संजीव सर्राफ 9425437356	उपपुस्तकालयाध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय	**सदस्य-सचिव**	

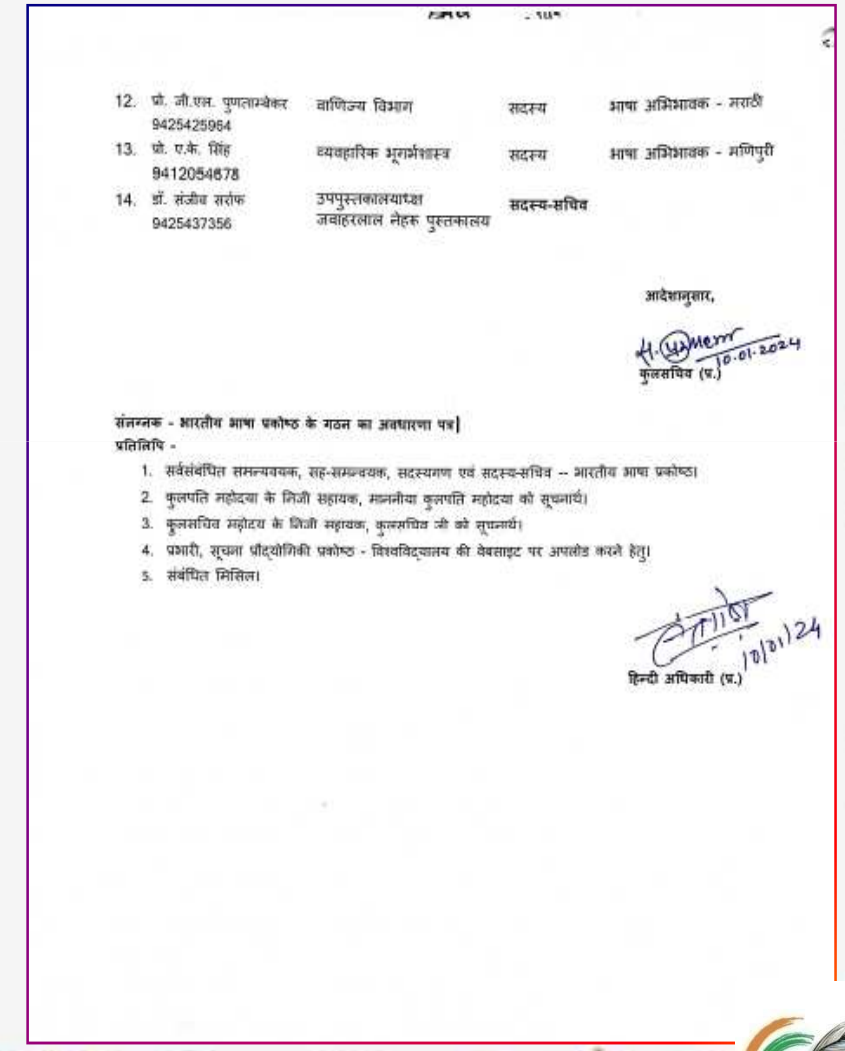

आदेशानुसार,

10.01.2024
कुलसचिव (प्र.)

संलग्नक - भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के गठन का अवधारणा पत्र।

प्रतिलिपि -

1. सर्वसंबंधित समन्वयक, सह-समन्वयक, सदस्यगण एवं सदस्य-सचिव -- भारतीय भाषा प्रकोष्ठ।
2. कुलपति महोदया के निजी सहायक, माननीया कुलपति महोदया को सूचनार्थ।
3. कुलसचिव महोदय के निजी सहायक, कुलसचिव जी को सूचनार्थ।
4. प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ - विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
5. संबंधित मिसिल।

10/01/24
हिन्दी अधिकारी (प्र.)

राजभाषा

समाचार पत्रों की कतरनें

जनसमर्थन से बनेगी हिंदी अंतरराष्ट्रीय भाषा : कुलपति

सागर(एसबीन्यूज)। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विद एवं प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री शोभा पैठणकर थीं. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा मंचासीन थे।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। उन्होंने हिंदी पखवाड़े में हुए विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. इस दौरान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया. अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका 'भाषा-भारती' का विमोचन किया गया।

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं. विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा में आयोजित विविध गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्यों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी कार्य कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमें आज हिंदी की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके. आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है. इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं. आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है. आज कम्प्यूटर बेस्ड हिन्दी टाइपिंग हो रही है. विश्वविद्यालय में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है. उन्होंने कहा कि हिन्दी को आगे ले जाने की भावना ही हिन्दी को आगे बढ़ाएगी. हिन्दी जन-जन की भाषा बने यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

मुख्य अतिथि सुश्री शोभा पैठणकर ने हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के बारे कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है. उन्होंने कहा कि आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई. यह तभी संभव है जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए. सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है. समाज में मानस परिवर्तन से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है. हिन्दी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं. राजभाषा नीति के उद्देश्यों के क्रियान्वयन और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विभाग को एक लक्ष्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से मातृभाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा पर काफी महत्व दिया जा रहा है. इस प्रयास से निश्चित ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का हुआ समापन

मानस परिवर्तन से हिंदी को बनाया जा सकता है अंतरराष्ट्रीय भाषा : शोभा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वाधान में आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन बुधवार को हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता शोभा पैठणकर ने कहा कि आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई? यह तभी संभव है, जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए।

सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है, लेकिन इसमें समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। समाज में मानस परिवर्तन से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हिन्दी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता कहा कि हमें आज हिंदी के व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके। आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है। इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिन्दी भाषियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किय। इस अवसर पर वित्ताधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. चंदा बेन, डॉ. एसपी गादेवार, डॉ. पंकज तिवारी सहित विवि के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

हिंदी पखवाड़ा में लघुकथा लेखन व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में साहित्य परिषद हिन्दी विभाग हिंदी पखवाड़ा महोत्सव मना रहा है। बुधवार को लघुकथा लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लघुकथा लेखन में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक हिन्दी विभाग के प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. संजय नैनवाड एवं संस्कृत विभाग के डॉ. रामहेत गौतम थे। संचालन हिन्दी की शोधार्थी शुभांगी ओखदे एवं समन्वय शोधार्थी नेहा दुबे ने किया। वहीं भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता हुई। संयोजक संतोष सोहगौरा ने कहा कि चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है। किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते हैं, बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज के यथार्थ को भी अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं।

दैनिक भास्कर **सागर 21-09-2024**

लिखावट लेखक के व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है : सोहगौरा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी पखवाड़ा-2024 के तहत केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-4 में हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई गई। स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिंदी विषय पर हुई प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इसका अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक हिंदी अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा लिखावट व्यक्तित्वों को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्जवल है।

प्रतियोगिता समन्वयक प्राचार्य आरएस वर्मा ने कहा हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं। उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तरदायित्व हमारा है, जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। विद्यालय के हिंदी शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में 10वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने सहभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। विजयी प्रतिभागियों को 25 सितंबर को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इस मौके पर डॉ. हिमांशु कुमार, राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना, विनोद रजक तथा केन्द्रीय विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष मनोज कुमार नेमा आदि मौजूद थे।

आयोजन | विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति में लिपिक ....

संवर्गीय कर्मचारियों का योगदान भी अहमः सोहगौरा

सागर, आचरण संवाददाता।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त सहायकों एवं लिपिकों हेतु 'टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार' विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।

कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, श्रीमती मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा। कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा- 2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर, 2024 को अपराह्न 01:45 बजे से रंगनाथन भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जायेगी जिसमें विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जायेगा। राजभाषा अधिकारी ने बताया कि समापन समारोह की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं समाजसेवी सुश्री शोभा पैठणकर उपस्थित रहेंगी। समापन समारोह में विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न ?

जनचिंगारी- 9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलगुरू की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत 'भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता' विषय पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'चित्रकला प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा उकेरे गए चित्रों का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है। किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते हैं बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज के यथार्थ को भी अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं। आयोजित प्रतियोगिता की समन्वयक डॉ. सुप्रभा दास, सहायक प्राध्यापक, ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग ने बताया कि चित्रकला को करियर के रूप में अपनाकर न केवल अपने मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता है बल्कि यश-कीर्ति एवं धन भी अर्जित किया जा सकता है। इस प्रतियोगिता में आरोही देसाई, संजना, अर्चिता सिंह, पुष्पराज सिंह, वैभव, मोनालिसा, भावना, सुगंधि, नीलम, अनीसा, आयुष सिंह, शिवानी, अमित कुमार ब्यौहार, गार्गी, अतुल एवं शैलेन्द्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग चालीस विद्यार्थियों ने उल्लास पूर्वक कैनवास में चित्र उकेरकर अपनी रचनात्मक उपस्थिति दर्ज करायी। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को कुलगुरू महोदया द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक तथा ललित कला विभाग के शोधार्थी शालू सोनी, किरन ठाकुर, नेहा गुप्ता एवं सहयोगी के रूप में अ[illegible] प्रदीप सिंह एवं मनोज विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर
असतो मा सद्गमय

राजभाषा

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्र.04 में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

दैनिक प्रदेश बॉच सागर संवाददाता। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलगुरू की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में हिन्दी पखवाड़ा- 2024 के अंतर्गत 'स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी' विषय पर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि लिखावट व्यक्तियों को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के प्राचार्य श्री आर.एस. वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तर दायित्व हमारा है जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग प्रदान कर रहे विद्यालय के हिन्दी शिक्षक श्री योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में कार्तिक चौरसिया, तन्वी सूर्यवंशी, आदित्य गौतम, वेदिका दुबे, रिशांक रजक, आदित्य पटेल, तनिश नंदनवार, आर्यन विश्वकर्मा, ध्रुव यादव, रचित श्रीवास्तव एवं निहारिका सहित 50 विद्यार्थियों ने भाग किया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को माननीय कुलगुरू महोदया द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर हिमांशु कुमार, सहायक प्राध्यापक, राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक तथा केन्द्रीय विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री मनोज कुमार नेमा एवम अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।ध्यातव्य है कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला में कल विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' आयोजित की जा रही है।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

आचरण संवाददाता

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलगुरू की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा- 2024 के अंतर्गत 'स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी' विषय पर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्वो को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है।

प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के प्राचार्य आर.एस. वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तर दायित्व हमारा है जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग प्रदान कर रहे विद्यालय के हिन्दी शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में कार्तिक चौरसिया, तन्वी सूर्यवंशी, आदित्य गौतम, वेदिका दुबे, रिशांक रजक, आदित्य पटेल, तनिश नंदनवार, आर्यन विश्वकर्मा, ध्रुव यादव, रचित श्रीवास्तव एवं निहारिका सहित 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. हिमांशु कुमार, राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक, पुस्तकालयाध्यक्ष मनोज कुमार नेमा और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन 14 से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है।

हिन्दी पखवाड़ा : केन्द्रीय विद्यालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04 में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता का विषय स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी था। प्रतियोगिता में 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें कार्तिक चौरसिया, तन्वी सूर्यवंशी, आदित्य गौतम, वेदिका दुबे, रिशांक रजक, आदित्य पटेल, तनिश नंदनवार, आर्यन विश्वकर्मा, ध्रुव यादव, रचित श्रीवास्तव एवं निहारिका शामिल रहे। कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने विद्यार्थियों की लिखावट और विषयवस्तु की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी कागज और कलम का इतना सुंदर उपयोग देखकर यह विश्वास होता है कि हिन्दी और भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। प्रतियोगिता के समन्वयक और विद्यालय के प्राचार्य आरएस वर्मा ने कहा कि बच्चों में अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व का भाव विकसित करना हमारा उत्तरदायित्व है और इसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। विजेता विद्यार्थियों को 25 सितम्बर को कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. हिमांशु कुमार, राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक, पुस्तकालयाध्यक्ष मनोज कुमार नेमा और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन 14 से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है।

किसी भी मुद्दे को लेकर अधिकारियों का अभिमत अलग स्थान रखता है: सोहगौरा

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के तहत आशुभाषण प्रतियोगिता हुई

भास्कर संवाददाता| सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम-2024 के तहत विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता हुई। विवि वित्ताधिकारी कुलदीपक शर्मा ने आशुभाषण के विषय मन के हारे हार, मन के जीते जीत, शैक्षिक बहु माध्यम अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. पंकज तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 का क्रियान्वयन, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र पी गादेवार ने खेलो इंडिया, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सराफ ने राजभाषा और राष्ट्रभाषा, उपकुलसचिव सतीश कुमार ने आभासी पटल का पठन-पाठन में योगदान, सीनियर सिस्टम एनालिस्ट डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया ने कौशल विकास मेला, नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर सचिन सिंह गौतम ने लोकतंत्र और मतदान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मुकेश साहू ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और देश का भविष्य, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार जैन ने नशामुक्ति अभियान, सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल ने मातृभाषा और देश का विकास, सहायक कुलसचिव दीपक कुमार शाक्य ने स्वच्छता अभियान, ईएमएमआरसी के प्रोड्यूसर माधव चंद्र ने विविधता में एकता तथा विधि अधिकारी बृजभूषण सिंह ने मेरी अविस्मरणीय यात्रा विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के संयोजक राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा किसी भी मुद्दे को लेकर तथा उससे जुड़ी कार्यान्वयन नीतियों के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों का अभिमत एक अलग स्थान रखता है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं वास्तव में अपने अंतर्मन की भावनाओं को व्यक्त करने का एक मंच उपलब्ध कराती हैं। आभार प्रतियोगिता के समन्वयक सहायक कुलसचिव आशीष कुमार तिवारी ने माना। संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। सहयोग विनोद रजक का रहा।

'राजभाषा यात्रा' पर तैयार होगा वृत्तचित्र : गुप्ता

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न, हिन्दी पखवाड़ा-2024 के आयोजन हेतु कुलगुरू ने की राजभाषा प्रकोष्ठ की सराहना

सागर, आचरण संवाददाता।

विश्वविद्यालय की 'राजभाषा यात्रा' पर तैयार होगा वृत्तचित्र यह बात कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने यह कथन विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 46वीं तिमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिया। उन्होंने आगे बताया कि यह वृत्तचित्र राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में हमारे विश्वविद्यालय में किए जा रहे प्रयासों का एक समेकित दस्तावेज होगा। उन्होंने बताया कि राजभाषा हिन्दी का विकास तभी संभव है जब हम अन्य भारतीय भाषाओं के विकास पर भी समुचित ध्यान दें। बहुभाषिकता वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने समस्त सदस्यों को अवगत कराया कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न रोचक एवं अभिनव गतिविधियों को देश भर के अन्य शैक्षणिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में भी दोहराए जाने की अनुशंसा की है जो कि इस विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। इस उपलब्धि के लिए तथा राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा सितम्बर माह में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के समस्त सदस्यों की सराहना कर उत्साहवर्धन किया। समिति के सदस्य-सचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने हिन्दी पखवाड़ा-2024 के सफल आयोजन हेतु कुलगुरू महोदया की प्रेरणा एवं सतत मार्गदर्शन हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने बैठक के दौरान समस्त सदस्यों को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में बहुभाषिक कार्य-संस्कृति के विकास हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि कुलगुरू महोदया की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र इकाई के रूप में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ का गठन भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में कार्मिकों के प्रशिक्षण एवं राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। बैठक में प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, प्रो. वाय.एस. ठाकुर, प्रो. आनंद प्रकाश मिश्र, प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी, दीपक कुमार शाक्य, ब्रजभूषण सिंह, राजकुमार पाल, सचिन सिंह गौतम, रूपेन्द्र चौरसिया, राहुल गिरी गोस्वामी, डॉ. मोहन टी.ए., श्रीमती ए. लक्ष्मी, आशीष कुमार तिवारी, डॉ. संजय शर्मा, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, राजभाषा प्रकोष्ठ से विनोद रजक एवं अन्य शिक्षक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' में दिखाया अपना तकनीकी कौशल

▸ सागर, संवाददाता

(प्रदेश वॉच)।

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीया कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता, की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग में स्थित कंप्यूटर लैब में 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' आयोजित की गयी. इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि शासकीय नियमानुसार प्रत्येक कर्मचारी को सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में डाटा इंट्री तथा नोटशीट व पत्र लेखन के लिए कंप्यूटर टंकण का ज्ञान अनिवार्य है. इस प्रकार की प्रतियोगिता कर्मचारियों के तकनीकी ज्ञान एवं कौशल के प्रदर्शन का सुअवसर प्रदान करती है. प्रतियोगिता के समन्वयक एवं निर्णायक कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि टंकण के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि कंप्यूटर उपकरणों, सही फॉण्ट तथा सॉफ्टवेयर की समुचित जानकारी होना भी नितांत आवश्यक है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में

बृजेश साहू, नीलेश लोधी, सचिन पटवा, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचन पाल, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, संतोष कुमार मिश्रा, दीपक मिश्रा, उमेश चढ़ार, पवन कोरी, सतीश सरल, मनोज कुमार कावड़े, राजकुमार रजक, रेवाराम पटेल एवं अभिनव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 30 से भी अधिक कर्मचारियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को आयोजित समापन कार्यक्रम में माननीया कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे. इस महत्वपूर्ण आयोजन में कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के प्रयोगशाला प्रेष्य श्री नितिन चढ़ार की भूमिका सराहनीय रही. कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक भी उपस्थित रहे। हिंदी पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं. कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार दिनांक 23 सितम्बर को विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु 'आशुभाषण प्रतियोगिता' आयोजित की जा रही है. प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में राजभाषा यात्रा पर बनेगा वृत्तचित्र: कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की राजभाषा यात्रा को एक वृत्तचित्र के रूप में प्रस्तुत किया जायेगा, यह घोषणा कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 46वीं तिमाही बैठक के दौरान की। उन्होंने कहा कि यह वृत्तचित्र विवि द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार और विकास के लिये किये गये महत्वपूर्ण कार्यों का दस्तावेज होगा। हिन्दी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं के विकास पर भी ध्यान देना आवश्यक है, जिससे बहुभाषिकता को प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने विवि द्वारा राजभाषा के कार्यान्वयन में किये गये प्रयासों की सराहना करते हुये बताया कि शिक्षा मंत्रालय ने विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित अभिनव गतिविधियों की सराहना की है और उन्हें देशभर के अन्य शिक्षण संस्थानों में दोहरा, जाने की अनुशंसा की है। उन्होंने हिन्दी पखवाड़ा 2024 के सफल आयोजन के लिये राजभाषा प्रकोष्ठ की प्रशंसा की और प्रकोष्ठ के प्रभारी संतोष सोहगौरा सहित सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कुलपति के मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिये आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि विवि में बहुभाषिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये राजभाषा प्रकोष्ठ निरंतर प्रयासरत है। इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम विवि में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ का गठन है, जो बहुभाषिकता के विकास के लिये काम करेगा। बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये, जिनमें कर्मचारियों के प्रशिक्षण और राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उपाय शामिल हैं। इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, प्रो. वायएस ठाकुर, प्रो. आनंद प्रकाश मिश्र, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल सहित अधिकारी और शिक्षक उपस्थित रहे। समापन पर राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने आभार व्यक्त किया।

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता संपन्न

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी विषय पर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी प्र. ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्वो को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्जवल है।

प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के प्राचार्य आरएस वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तरदायित्व हमारा है जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोगी विद्यालय के हिन्दी शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह सं या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। प्रतियोगिता में 50 वि भाग लिया।

लिखावट ही व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है : सोहगौरा

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय क्रं 04 में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने सुंदर लिखावट के साथ निबंध लिखा।

संयोजक संतोष सोहगौरा ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। प्राचार्य आरएस वर्मा ने कहा कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं। उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तर दायित्व हमारा है, जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। इस अवसर पर डॉ. हिमांशु कुमार, अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक आदि मौजूद रहे।

आयोजन विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ आयोजित

एक-दूसरे की भाषा जानना और समझना आवश्यक है : कुलपति

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस समारोह -2023 हिंदी पखवाड़ा का शुक्रवार को समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने स्वागत किया। विवि में हिंदी पखवाड़े का आयोजन 14 से लेकर 29 सितंबर तक हुआ। इस दौरान हिंदी को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए अनेक तरह के कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय में आयोजित की गईं।

कार्यक्रम के दौरान विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। ● नवदुनिया

जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय सभागार में हिंदी पखवाड़े के समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हिंदी पखवाड़े को सही मायने में डा. हरीसिंह विवि ने मनाया और हिंदी भाषा को आगे ले जाने के लिए विवि हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश एक हिंदी प्रदेश है। सीयूसीटी के माध्यम से एडमिशन होने पर अलग अलग राज्य से बच्चे विवि आने लगे और यह प्रसन्नता का विषय है कि वर्तमान में 12 प्रदेश के शिक्षक विवि में पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर भाषा के छोटे-छोटे समूह विवि में बनने चहिए, ताकि विवि के छात्र-छात्राएं एक दूसरे की भाषा बोलना और समझना सीख सकें। उन्होंने कहा कि भारत एक है यह हमें मानकर चलना चाहिए। वन अर्थ के कांसेप्ट पर चलना है तो एक-दूसरे की भाषा जानना और समझना आवश्यक है।

हिंदी पखवाड़ा वर्ष भर चलते रहना चाहिए : इस अवसर पर हिंदी विभाग के प्रो आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी पखवाड़ा वर्ष भर चलते रहना चाहिए। हिंदी के साथ हमारा जीवन भर का जुड़ाव है। हिंदी अभिव्यक्ति की एक जीवन रेखा है। हिंदी को लेकर कोई संकट नहीं हैं। हिंदी को लेकर वर्तमान में बहुत सारा काम हो रहा है। हिंदी को लिखना, पढ़ना और जीना जरूरी है। हिंदी का स्वरूप बहुआयामी है। हिंदी क्लब की शुरुआत कुलपति की प्रेरणा से विवि में हुई है जो काफ़ी सुखद है। कार्यक्रम के दौरान विवि में आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण भी कुलपति द्वारा किया गया। विजयी प्रतिभागियों में शिक्षक, कर्मचारी विवि के विद्यार्थी और स्कूल के विद्यार्थी सम्मिलित रहे। समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन डा. संजीव सराफ ने किया और आभार संतोष सोहगौरा ने ज्ञापित किया। इस दौरान प्रो. अतुल एम गोंसाई मंचासीन रहे।

कार्यक्रम कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी की गई आयोजित, 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक ने लिया भाग

विवि में हिन्दी पखवाड़ा के तहत कार्यालयीन टीप एवं पत्र लेखन विषय पर कार्यशाला संपन्न

● सागर/ आरएनएन

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त सहायकों एवं लिपिकों के लिए टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई।

विस्तार से चर्चा की

कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा।

कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर को अपराह्न 01.45 बजे से रंगनाथन भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जायेगी जिसमें विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जायेगा। समापन समारोह में विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यालयीन टीप एवं पत्र लेखन विषय पर कार्यशाला संपन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत विवि के समस्त सहायकों एवं लिपिकों हेतु टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विवि के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विविहित को ध्यान में रखते हुये संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोट शीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुये उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विवि के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा। कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर को अपराह्न 01. 45 बजे से रंगनाथन भवन केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जायेगी। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जायेगा। राजभाषा अधिकारी ने बताया कि समापन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं समाजसेवी शोभा पैठणकर उपस्थित रहेंगी।

राजभाषा

प्रतियोगिताएं कर्मचारियों को कौशल के प्रदर्शन का मौका देती हैं : सोहगौरा

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने हिन्दी टंकण प्रतियोगिता में दिखाया कौशल

भास्कर संवाददाता | सागर

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए हिन्दी टंकण प्रतियोगिता हुई।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा-2024 के तहत विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग में स्थित कंप्यूटर लैब में हिन्दी टंकण प्रतियोगिता आयोजित की गई। पखवाड़ा के संयोजक संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि शासकीय नियमानुसार प्रत्येक कर्मचारी को सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में डाटा इंट्री तथा नोटशीट व पत्र लेखन के लिए कंप्यूटर टंकण का ज्ञान अनिवार्य है। ऐसी प्रतियोगिताएं कर्मचारियों को तकनीकी ज्ञान एवं कौशल के प्रदर्शन का अवसर देती हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए आशु भाषण प्रतियोगिता होगी। विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न दिए जाएंगे।

समन्वयक एवं निर्णायक डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि टंकण के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि कंप्यूटर उपकरणों, सही फॉंट तथा सॉफ्टवेयर की जानकारी होना भी जरूरी है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी बृजेश साहू, नीलेश लोधी, सचिन पटवा, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचन पाल, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, संतोष कुमार मिश्रा, दीपक मिश्रा, उमेश चढ़ार, पवन कोरी, सतीश सरल, मनोज कुमार कावड़े, राजकुमार रजक, रेवाराम पटेल एवं अभिनव सहित विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 30 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितंबर को आयोजित समापन कार्यक्रम में पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान दिए जाएंगे। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक उपस्थित थे।

आयोजन | डा. हरीसिंह गौर विवि के रंगनाथन भवन में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

हिंदी जन-जन की भाषा बने, यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए : प्रो . नीलिमा

हिंदी पखवाड़े के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विवि के रंगनाथन भवन में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विद एवं सामाजिक कार्यकर्ता शोभा पैठणकर थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डा. एसपी उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी. संतोष सोहगौरा मंचासीन थे। अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं। आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है, इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है। आज कम्प्यूटर बेस्ड हिंदी टाइपिंग हो रही है। विवि में हिंदी क्लब की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य हिंदी भाषी विद्यार्थियों को हिंदी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि हिंदी को आगे ले जाने की भावना ही हिंदी को आगे बढ़ाएगी। हिंदी जन-जन की भाषा बने, यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। कार्यक्रम में संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। इस दौरान राजभाषा विभाग द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका भाषा-भारती का विमोचन किया गया।

लक्ष्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता

मुख्य अतिथि शोभा पैठणकर ने कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है। आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई। यह तभी सम्भव है, जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए। सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है, लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। समाज में मनस परिवर्तन से ही हिंदी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हिंदी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। राजभाषा नीति के उद्देश्यों के क्रियान्वयन और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विभाग को एक लक्ष्य के साथ कार्य करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से मातृभाषा पर काफी महत्व दिया जा रहा है। इस प्रयास से निश्चित ही हिंदी को राष्ट्रभाषा बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।

भाषाई एकात्मता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा

प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिंदी भाषियों की भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका है। हिंदी क्लब द्वारा ऐसे पाठ्यक्रमों का सृजन किया जा रहा है, जिससे सभी भाषा-भाषी एक मंच पर आ सकें और भाषाई एकात्मता विकसित हो सके।

कार्यक्रम का संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में हिंदी पखवाड़ा के दौरान प्रतिभागिता कर रहे केंद्रीय विद्यालय के विजयी विद्यार्थियों, विवि के अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रयोगशाला सहायकों, प्रयोगशाला श्रेष्ठों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

हिंदी पखवाड़ा • समापन समारोह में प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया

दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा, रोजगार के भी अवसर हैं: कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में हुआ।

प्रभारी हिंदी अधिकारी संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। अतिथियों ने राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका 'भाषा-भारती' का विमोचन किया। अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किए जा रहे हैं। हमें आज हिंदी की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके। आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है। इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है। आज कम्प्यूटर बेस्ड हिन्दी टाइपिंग हो रही है। विश्वविद्यालय में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को हिंदी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है। मुख्य अतिथि शोभा पैठणकर ने कहा आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई? यह तभी संभव है जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए। सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिन्दी भाषियों की भी काफी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया।

लिखावट ही व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है : सोहगौरा

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय क्रं 04 में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने सुंदर लिखावट के साथ निबंध लिखा।

संयोजक संतोष सोहगौरा ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। प्राचार्य आरएस वर्मा ने कहा कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं। उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तर दायित्व हमारा है, जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। इस अवसर पर डॉ. हिमांशु कुमार, अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक आदि मौजूद रहे।

भारत सरकार

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

धन्यवाद

राजभाषा